राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,25 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -179 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

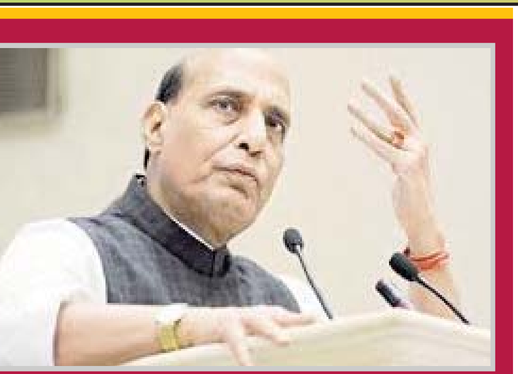

राजनाथ ने इजराइल के रक्षा मंत्री से की बात, चीन के साथ सीमा विवाद पर भी हुई चर्चा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को इजराइल के अपने समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल बेंजामिन गेंट्ज के साथ टेलीफोन पर बात की। इस दौरान, पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ भारत के सीमा विवाद के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। सरकारी सूत्रों ने इस बारे में बताया। उन्होंने बताया कि बातचीत का मुख्य जोर मौजूदा रक्षा खरीद कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाने के साथ ही दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा के संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर था। सूत्रों ने बताया कि सिंह ने गेंट्ज को रक्षा निर्माण क्षेत्र में भारत द्वारा शुरू किए गए बड़े सुधारों के बारे में अवगत कराया और हथियारों तथा सैन्य उपकरणों के विकास में भारत की कंपनियों के साथ मिलकर व्यापक भागीदारी का भी आह्वान किया । विस्तार से जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा कि बातचीत में भारत और चीन के बीच सीमा विवाद का भी मुद्दा उठा।

कोरोना के पचास फीसद मामले केवल चार जिलों में : पिनराई विजयन

तिरुवनंतपुरम । केरल में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने गुरुवार को कहा कि राज्य में दर्ज किये पचास प्रतिशत मामले केवल चार जिलों में दर्ज किये गए है।संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विजयन ने यहां कहा, ÷वर्तमान में राज्य में दर्ज किये गए कोरोना के कुल मामलों में से पचास फीसदी मामले तिरुवनंतपुरम, मलप्पुरम, अलप्पुज़हा और एर्नाकुलम जिले में दर्ज किये गए हैं। वही राज्य में पिछले दो सप्ताह के दौरान दर्ज किये गए कुल मामलों में से 65 प्रतिशत मामले तिरुवनंतपुरम, मलप्पुरम, अलप्पुज़हा, एर्नाकुलम, पलक्कड़ और कोल्लम जिले में दर्ज किये गए हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि कसरगोड जिले में कोरोना का प्रसार अन्य जिलों में फ़ैल रहा है जहां शुरुआत में कोरोना के सबसे पहले मामले दर्ज किये गए थे। शुरूआती दिनों में पूर्ण लॉकडाउन की वजह से हम कोरोना के प्रसार को रोकने में सफल हो गए थे। हालांकि बाहर से लोगों के राज्य आने के बाद स्थिति बदल गयी है। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए चेन तोड़ना अभियान, एक-दूसरे से दूरी और सावधानियां का पालन हो रहा था लेकिन अब वो भी कम हो गया है।

लॉकडाउन की दर्दनाक तस्वीरः काम न मिलने पर पिता ने 45000 में बेची 4 साल की बेटी

कोकराझार।

गरीबी और कोविड-19 संकट के दौरान काम न मिलने से तंग आकर असम में एक प्रवासी मजदूर ने अपनी 15 दिन की बेटी को 45,000 रुपये में बेच दिया लेकिन पुलिस ने उसे बचा लिया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मानव तस्करी के आरोप में उक्त व्यक्ति और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। कोकराझार जिले के एक गांव का निवासी दीपक ब्रह्मा, हाल ही में गुजरात से लौटा था जहां वह मजदूरी करता था। मानव तस्करी के विरुद्ध कार्य करने वाले एक गैर सरकारी संगठन के अनुसार ब्रह्मा बेरोजगार था और अपने परिवार का भरण पोषण नहीं कर पा रहा था। निदान फाउंडेशन के अध्यक्ष दिगंबर नर्जरी ने कहा कि ऐसे कठिन समय में ब्रह्मा की पत्नी ने दूसरी बेटी को जन्म दिया। उन्होंने कहा, ब्रह्मा ने महामारी के दौर में नौकरी खोजने की कोशिश की लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। आजीविका कमाने के सभी साधन बंद होने के बाद ब्रह्मा ने नवजात बेटी को बेचने का फैसला लिया। नर्जरी ने बताया कि ब्रह्मा ने बिना अपनी पत्नी को बताए, दो जुलाई को

अपनी बेटी को दो महिलाओं को 45,000 रुपये में बेचने का निर्णय लिया। व्यक्ति की पत्नी और गांव वालों ने घटना की जानकारी मिलने पर कोचुगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कहा, शिकायत मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की और बच्ची को बचाया। हमने ब्रह्मा को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान दोनों महिलाओं ने कहा कि उन्होंने अपने एक रिश्तेदार के लिए ।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 13 लाख के पार, दो दिन में तेजी से बढ़े मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण तेजी से फैल रहा है। कोरोना संक्रमितों की संख्या 13 लाख के पार पहुंच गई है। देश में शुक्रवार शाम तक 19,062 नए मामले सामने आए हैं, अब तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 13,07,189 पहुंच गई है। इनमें 4,47,457 एक्टिव मामले हैं। आज 10,914 कोरोना से ठीक हो चुके हैं। कोरोना से स्वस्थ लोगों की संख्या 8,28,507 हो गई है। इसके अलावा मृतकों की संख्या 30,807 हो गई है। इससे पहले बुधवार को कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 12 लाख के पार पहुंच गई थी। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में लगातार तीसरे दिन कोविड-19 से स्वस्थ हुए लोगों की संख्या 24 घंटे की अवधि में 34,602 के रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी है जिससे स्वस्थ होने वाले लोगों की दर बढ़कर 63.45 प्रतिशत हो गई। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण से मृत्यु की दर कम होकर 2.38 प्रतिशत हो गई है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 12.87 लाख के स्तर पर पहुंचने के बीच मंत्रालय ने सुबह आठ बजे जारी ताजा आंकड़ों में कहा कि स्वस्थ हुए कुल लोगों की संख्या 8,17,208 हो गयी है, वहीं इस समय देश में 4,40,135 लोग संक्रमित हैं। आंकड़ों के अनुसार भारत में एक दिन में संक्रमण के सर्वाधिक 49,310 मामले दर्ज किये गये हैं, वहीं संक्रमण से मौत के 740 नये मामले सामने आने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 30,601 हो गयी है। मंत्रालय ने कहा कि स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ने के मद्देनजर संक्रमण से उबर चुके लोगों की संख्या उपचार करा रहे रोगियों की संख्या से 3,77,073 अधिक हो गई है। देश में 23 जुलाई तक कुल 1,54,28,170 नमूनों की जांच की जा चुकी है। बृहस्पतिवार को 3,52,801 नमूनों की जांच की गयी। मंत्रालय ने कहा, ''इस लिहाज से भारत में प्रति दस लाख लोगों पर 11,179.83 जांच हो रही हैं जिसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंत्रालय ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रयासों को केंद्रीय विशेषज्ञ दल मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उसने कहा, ''स्वास्थ्य कर्मियों के समर्पण के साथ किये गये प्रयासों से लोगों के स्वस्थ होने की दर में सुधार हो रहा है और मृत्यु दर लगातार कम हो रही है जो इस समय 2.38 प्रतिशत है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सांसद ने सैनिकों को भेजी 21 हजार स्वदेशी राखियां

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के अभियान के तहत इंदौर से सांसद शंकर लालवानी लगातार सक्रिय है। लालवानी ने चीन में बनी राखियों के खिलाफ एक बड़ी मुहिम छेड़ी है और चीनी राखियों के विरोध में वे देश में स्‍ वदेशी सांसद राखी बनवा रहे हैं। इसी के तहत सांसद लालवानी ने भारत के वीर सैनिकों के लिए 21,000 राखियां भिजवाई। ये राखियां स्‍ वदेशी सामान से निर्मित है और इन्हें इंदौर की महिलाओं ने बनाया है। इंदौर के कृष्णपुरा छत्री पर आत्मनिर्भर भारत के तहत अनूठी पहल की जा रही है। यहां सांसद शंकर लालवानी की अगुवाई में स्वदेशी राखियां तैयार करके बॉर्डर पर तैनात जवानों को भेजी जानी है। इस कार्यक्रम के दौरान सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि चीन हमारे हर त्यौहार पर कब्‍ जा कर चुका है। होली के कलर से लेकर दिवाली के दीप तक चीन से आते हैं। ऐसे में हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत मनिर्भर भारत के संकल्प के अनुसार वैदिक रीति और स्वदेशी सामग्री से राखी बना रहे हैं। चीन और पाकिस्तान के खिलाफ मजबूती से सीमा पर डटे जवानों को हम चीन में बनी राखी नहीं बल्कि स्वदेशी सांसद राखी भेजेंगे। इन राखियों को विभिन्न एनजीओ के माध्‍ यम से बनवाया गया है। इन राखियों को बनवाने का सामान इन महिलाओं को दिया गया है और राखियों की बिक्री से प्राप्त राशि भी इन्‍ हीं महिलाओं को दी जाएगी।

नए रंग-रूप में दिखेगी भारत के प्रधानमंत्री की वेबसाइट, होंगे बड़े बदलाव

नेशनल डेस्क। भारत सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री की आधिकारिक वेबसाइट में बदलाव के लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं, यानि कि अब पीएम की वेबसाइट नए अंदाज में दिखेगी। सरकार की तरफ से जारी प्रस्ताव के मुताबिक क्ख्न्ल्ह की वेबसाइट को अब संयुक्त राष्ट्र की 6 आधिकारिक भाषाओं और 22 भारतीय भाषाओं में देखा जा सकेगा। गुरुवार को भारत सरकार ने एजेंसियों से प्रधानमंत्री की वेबसाइट के पेज में बदलाव का प्रस्ताव रखा है जिसमें भाषाओं की संख्या को बढ़ाया जाना है, साथ ही डिजाइन में बदलाव होना है। इससे पहले प्रधानमंत्री की वेबसाइट को 12 भाषाओं में पढ़ा जा सकता था। वहीं सरकार वेबसाइट डिजाइन करने के लिए कंपनी की तलाश कर रही है। जो भी कंपनी सरकार की नई बेवसाइट बनाने का कमा करना चाहती है वो 30 जुलाई तक इसके लिए प्रपोजल दे सकते हैं, जबकि 7 अगस्त तक प्रोजेक्ट को फाइनल किया जाएगा। नई बेवसाइट में जिन भाषाओं को शामिल किया जा रहा है, उनमें ह्न की आधिकारिक 6 भाषाएं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश शामिल है। इसके अलावा जिन इसके अलावा जिन भारतीय भाषाओं को शामिल किया जा रहा है, उनमें असमी, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओरिया, पंजाबी, संस्कृत, संथली, सिंधि, तमिल, तेलुगु, उर्दू शामिल है। कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, ओरिया, पंजाबी, संस्कृत, संथली, सिंधि, तमिल, तेलुगु, उर्दू शामिल है। यानि कि एक ही वेबसाइट में अब कई भाषाओं का ऑप्शन मिलेगा।

राजस्थान संकट:

राज्यपाल ने सत्र बुलाने से किया इनकार, धरने पर बैठे कांग्रेस विधायक

जयपुर।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने अल्प समय की सूचना पर विधानसभा सत्र बुलाने से इनकार किया है। अपने विधायकों के साथ राजभवन पहुंचे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलकर विधानसभा का सत्र बुलाने की मांग की थी। कांग्रेस एवं निर्दलीय विधायक अभी राजभवन में ही मौजूद है तथा श्री गहलोत राज्यपाल से दुबारा मिल सकते है। सत्र नहीं बुलाने पर राजभवन का घेराव करने की गहलोत की चेतावनी पर विधानसभा में विपक्ष के नेता गुलाबचंद कटारिया ने राजभवन में केन्द्रीय रिर्जव पुलिस बल सीआरपीएफ तैनात करने की मांग की है। अशोक गहलोत सरकार के समर्थक अन्य विधायक दोपहर से राजभवन के दालान में धरने पर बैठ गए। ये विधायक विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का सामूहिक आग्रह करने के लिए राजभवन गए थे। परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा, हमने राज्यपाल से नियमों के तहत विधानसभा का सत्र बुलाने का आग्रह किया। राज्यपाल केंद्र के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। जब तक सत्र की तारीख नहीं दी जाती है हम यहां पर बैठे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इससे पहले राज्यपाल कलराज मिश्र से मुलाकात की। इसके बाद राज्यपाल विधायकों से मिलने भी आए। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार के आग्रह के बावजूद 'ऊपर से दबाव के कारण राज्यपाल विधानसभा का सत्र नहीं बुला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके पास बहुमत है और विधानसभा में ÷दूध का दूध और पानी का पानी÷ हो जाएगा। गहलोत ने अपने समर्थक विधायकों के साथ राजभवन की ओर रवाना होने से पहले संवाददाताओं के समक्ष यह बात कही। गहलोत ने कहा, हमारा मानना है कि ऊपर से दबाव के कारण वह (राज्यपाल) अभी विधानसभा सत्र बुलाने के लिए निर्देश नहीं दे रहे हैं। इस बात का हमें बहुत दुख है। जबकि हम सत्र बुलाना जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कैबिनेट के फैसले के बाद हमने माननीय राज्यपाल महोदय को पत्र लिखकर आग्रह किया कि हम चाहते हैं कि विधानसभा का सत्र बुलाएं और वहां राजनीतिक हालात, कोरोना व लॉकडाउन के बाद के आर्थिक हालात पर चर्चा हो। हमें उम्मीद थी कि वह रात को ही विधानसभा सत्र बुलाने का आदेश जारी कर देंगे। रात भर इंतजार किया लेकिन अभी तक उनका कोई जवाब नहीं आया। गहलोत ने कहा, हम विधानसभा सत्र बुलाने को तैयार हैं... अभी राज्यपाल से टेलीफोन पर बातचीत

हुई मैंने फिर आग्रह किया कि आपका संवैधानिक पद है जिसकी बहुत गरिमा होती है उसके आधार पर अविलंब फैसला करें।...विधानसभा सत्र हम सोमवार से शुरू करना चाहते हैं जहां 'दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पूरा देश व प्रदेश देखेगा। गहलोत ने कहा, जब मैं बार-बार कह रहा हूं कि हमारे पास स्पष्ट बहुमत है, हमें कोई दिक्कत नहीं है, चिंता हमें होनी चाहिए सरकार हम चला रहे हैं इसके बावजूद भी परेशान वे हो रहे हैं।

सीबीआई कोर्ट के समक्ष एलके आडवाणी का बयान, अयोध्या में विवादित ढांचे के विध्वंस में मेरी कोई भूमिका नहीं-सब पालिटिक्स का गेम

लखनऊ । अयोध्या में विवादित ढांचे को गिराए जाने के मामले में खुद को निर्दोष करार देते हुए पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप राजनीति से प्रेरित थे। वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये सीबीआई की विशेष अदालत में पेश हुए आडवाणी ने शुक्रवार को अपने बयान दर्ज कराए। उन्होंने खुद पर लगाए गए आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि विवादित ढांचे के विध्वंस में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। उन पर आरोप राजनीतिक कारणों से लगाए गए थे। बाबरी विध्वंस मामले में कुल 32 आरोपियों के बयान दर्ज होने हैं जिनमें अब तक 29 के बयान दर्ज हो चुके हैं। लगभग चार घंटे तक चली सुनवाई में सीबीआई ने लालकृष्ण आडवाणी के लिए 1000 से ज्यादा सवाल तैयार किए थे। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार विशेष अदालत को इस मामले का 31 अगस्त तक निस्तारण करना है। अदालत इस मामले की नित्य प्रतिदिन सुनवाई कर रही है। इससे पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस मामले में गुरुवार को अपना बयान दर्ज कराया था। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में राममंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त पहले ही हो चुका है। अयोध्या में राममंदिर का भूमिपूजन पांच अगस्त को प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में होगा। इस मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह और भाजपा नेता एवं मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भी हाल ही में अपने बयान दर्ज कराये हैं। इसके बाद आरोपियों को अपनी सफाई और साक्ष्य पेश करने का अवसर दिया जाएगा।

सचिन पायलट के गुट को राहत, राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पीकर के नोटिस पर लगाई रोक

नेशनल डेस्क।

राजस्थान की सियासत में पिछले कई दिनों से जारी रस्साकशी के बीच शुक्रवार को सचिन पायलट के गुट को राजस्थान हाईकोर्ट से थोड़ी राहत मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने व्हिप उल्लंघन के मामले में राजस्थान के निष्कासित उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित 19 विधायकों को विधानसभा स्पीकर डॉ सीपी जोशी के दिए गए नोटिस पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश प्रकाश गुप्ता ने आज फैसला सुनाते हुए यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया। कोर्ट ने दल-बदल विरोधी कानून के तहत फैसला करने का अधिकार अध्यक्ष पर छोड़ा है। पायलट गुट ने अदालत से उन्हें अयोग्य घोषित नहीं करने के मामले में गुहार की थी, लेकिन अदालत ने मामला अध्यक्ष पर छोड़ते हुए कहा कि अदालत इसमें कोई दखल नहीं दे सकती। स्पीकर डॉ सीपी जोशी व्हिप नोटिस के मामले में सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी तथा सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की थी, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली और आदेश दिया कि हाईकोर्ट का निर्णय अंतिम नहीं होगा। अब इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को होगी। विधानसभा अध्यक्ष ने सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी की याचिका पर व्हिप उल्लंघन मामले में नोटिस जारी किया था, जिसे पायलट गुट ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

1 अदालत ने आज केंद्र सरकार को पक्षकार बनाने की याचिका भी स्वीकार की है। जिस पर सुनवाई बाद में की जाएगी।

पत्नी के पास नहीं थे पर्ची बनवाने के लिए 5 रुपए, अस्पताल की दहलीज पर तड़प कर पति ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के गुना में मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना देखने को मिली जहां 5 रुपए की पर्ची नहीं कटवाने पर अस्पताल की दहलीज पर एक मरीज ने दम तोड़ दिया। गुना वो जिला है जहां से कांग्रेस और बीजेपी के दिग्विजय सिंह और ज्योरादित्य सिंधिया जैसे नेता अक्सर आते जाते रहते हैं। दरअसल महिला अपने पति के इलाज के लिए गुना जिला अस्पताल पहुंची थी। वहां पर उसके पास पर्चा बनवाने के लिए 5 रुपए नहीं थे। पैसे न होने के कारण पति को भर्ती नहीं किया गया और न ही उसका इलाज शुरू हुआ। महिला रात भर जिला अस्पताल के बाहर बैठकर पति के इलाज करने के लिए मिन्नतें करती है लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा। आखिरकार जिला अस्पताल के बाहर पैसे के अभाव में बीमारी से ग्रसित युवक ने दम तोड़ दिया। पत्नी इस उम्मीद में अपने पति को लेकर आयी थी कि यहां से सुनील स्वस्थ होकर लौटेगा, लेकिन अब लौटी तो पति की लाश के साथ। वहीं अब अस्पताल प्रबंधन के अमानवीय चेहरे को उजागर करने वाले इस मामले की जानकारी जब कलेक्टर को लगी तो उन्होंने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए तत्काल सीएस को नोटिस जारी कर 24 घंटे में जांच प्रतिवेदन पेश करने के आदेश दिए हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को साथ आने की जरूरत : रणदीप

मुंबई । पर्यावरण बचाने की मुहिम में लगे बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को साथ आने की जरूरत है। रणदीप हुड्डा को उम्मीद है कि लॉकडाउन के बाद जब लोग दोबारा अपनी जिम्मेदारियां निभाना शुरू करेंगे तो वे अपने ग्रह को स्वस्थ बनाने के लिए भी अपनी भूमिका महसूस करेंगे। रणदीप 'रीस्टार्ट रिस्पॉन्सिबल' नाम से चल रहे एक अभियान का हिस्सा हैं।रणदीप हुड्डा ने कहा ,यह अभियान मेरे दिल के करीब है, क्योंकि हम लोगों को कोई ऐसी प्रतिज्ञा लेने के लिए नहीं कह रहे हैं जिसका कोई विशेष नतीजा न मिले। हमारे अभियान का उद्देश्य लोगों को ऐसे कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है, जो उनकी रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से जुड़ सकते हैं। इन छोटे कदमों का पर्यावरण पर समग्र प्रभाव बहुत बड़ा होगा।हम सभी को इसकी आवश्यकता है कि हम बेहतर हवा और पानी को सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका निभाएं। प्रदूषण को कम करें। हम वनस्पतियों और जीवों के साथ इस ग्रह का एक हिस्सा हैं। यदि हम सभी इस तथ्य का सम्मान करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो मुझे यकीन है कि हमारा कल बेहतर होगा।यदि हम सभी इस तथ्य का सम्मान करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो मुझे यकीन है कि हमारा कल बेहतर होगा।

कानपुर किडनैपिंग-मर्डर केस में सीएम योगी की बड़ी कार्रवाई एएसपी समेत 4 पुलिस अफसर सस्पेंड

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में कानपुर के बर्रा क्षेत्र में पैथालाजी तकनीशियन की अपहरण के बाद हत्या के मामले में गंभीर रूख अपनाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अर्पणा गुप्ता, तत्कालीन डिप्टी एसपी मनोज गुप्ता समेत 4 अधिकारियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। तत्कालीन एसओ बर्रा रणजीत राय थाना एवं चौकी इंचार्ज राजेश कुमार सस्पेंड कर दिया गया है।स्‍ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अपराध की घटनाओं को लेकर सीएम योगी पुलिस से बेहद नाराज हैं। सूत्रों ने बताया कि सीएम योगी ने बड़े अधिकारियों से कहा है कि कानपुर के पुलिस वालों ने कानून व्यवस्था को लेकर मेरे चल रहे अभियान को धक्का पहुंचाया है। इन पर सख्त करवाई की जरूरत है।मामले संबंधित आधिकारिक प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि बर्रा क्षेत्र में युवक के अपहरण के सिलसिले में कर्तव्यपालन में लापरवाही बरतने के आरोप में थाना प्रभारी रणजीत राय और चौकी इंचार्ज राजेश कुमार को पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोताही पर जुर्माना

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सरकारों द्वारा सख्ती में बढ़ोतरी न केवल जरूरी, बल्कि स्वागतयोग्य भी है। झारखंड में कोरोना नियमों की अनदेखी करने वालों और मास्क न पहनने वालों पर एक लाख रुपये का जुर्माना लग सकता है और दो साल की जेल हो सकती है। झारखंड की कैबिनेट ने बुधवार को संक्रामक रोग अध्यादेश 2020 पारित किया है। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में ऐसी कड़ाई करने वाला वह देश का पहला राज्य बन गया है। कागज पर ही सही, यह नियम प्रथम दृष्टया काफी कड़ा दिखता है, लेकिन जिस तरह से झारखंड में संक्रमण बढ़ रहा है, उसे रोकने के लिए ऐसे कदमों का व्यापक सांकेतिक महत्व है। अलबत्ता, इसे लागू करना सहज नहीं होगा। इसकी सही अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए सबसे पहले सरकारी महकमे और पुलिस-प्रशासन के तमाम लोगों को समाज के सामने आदर्श पेश करना होगा। उससे भी ज्यादा जरूरी है कि हमारे नेता स्वयं बचाव और मास्क पहनने की दिशा में आदर्श बनकर उभरें। लोगों को लगे कि उनके सभी बड़े नेता और बड़े अधिकारी स्वयं मास्क पहनने लगे हैं, तो लोग भी प्रेरित होंगे। अभी आए दिन हम देखते हैं कि किस तरह से मास्क पहनने की अनिवार्यता का मखौल बनाया जाता है। कोई दिखावे के लिए टांग लेता है, तो कोई अपनी नाक नहीं ढकता, तो कोई मास्क अपने गले में लटका लेता है। मास्क से जिस तरह खिलवाड़ हो रहा है, उसमें सरकारें अगर कड़ाई के लिए मजबूर होती जाएं, तो कोई आश्चर्य नहीं। गरीबों की दृष्टि से देखें, तो जुर्माना राशि जरूर ज्यादा है और यह भी संभव है कि इस अध्यादेश या कानून का दुरुपयोग भी होगा। अत- ऐसे कानून बनाते हुए हमारी सरकारों को पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। केवल काननू बना देना पर्याप्त नहीं है, उसकी पालना ही सब कुछ है। झारखंड में कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। खबरें आ रही हैं कि सरकारी अस्पतालों में जगह कम पड़ने लगी है। ऐसे में, सरकार लोगों पर ही नहीं, बल्कि निजी अस्पतालों व बैंक्वेट हॉल आदि पर भी दबाव बनाए हुए है। इन्हें आइसोलेशन वार्ड के रूप में इस्तेमाल करने की योजना है। आने वाले दिनों में झारखंड और संक्रमण बहुल अन्य राज्यों में ऐसे कड़े कदम सामान्य बात हो जाएंगे। लॉकडाउन खुलने के बाद ज्यादातर राज्यों में संक्रमण बढ़ा है, विशेष रूप से गरीब या अभावग्रस्त राज्यों में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। आम दिनों में ही जो चिकित्सा सेवा दबाव महसूस करती है, कोरोना के समय में उसका क्या हाल होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। कड़ाई केवल आम लोगों पर न हो, जो सेवा में लगा हुआ तंत्र है, उसे भी पूरी मुस्तैदी से काम करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना होगा कि आम लोगों को इलाज के लिए भटकना न पड़े। सुशासन की कड़ाई के साथ ही स्वशासन की भी जरूरत बढ़ गई है। लोग यदि अनुशासित हो जाएं, तो फिर कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई आसान हो जाएगी। विश्वास बनाए रखना होगा। कोरोना से जंग हम जरूर जीतेंगे। ध्यान रहे, लगभग आठ लाख लोग ठीक हो चुके हैं और अभी देश में सक्रिय मरीजों की संख्या चार लाख भी नहीं है। एक दिन आएगा, जब चंद मरीज रह जाएंगे, लेकिन तब तक हमें सावधानी बरतनी पड़ेगी और सुरक्षित रहना होगा।

आज के ट्वीट

रिश्ता

राहुल गांधी के प्रमोशन पर इंडिया टुडे का कहना है कि LAC पर राहुल के साक्षात्कार को 4 करोड़ लोगों ने ट्वीटर पर देखा, पर वास्तव में4.5 मिलियन यानि 45 लाख ने देखा, दूसरा आंकड़ा बताया है 6करोड़ फेसबुक पर देखा गया जबकि वास्तव में 6लाख लोगों ने देखा।यह कौन रिश्ता निभाया जा रहा है। -- अर्णव गोस्वामी

नागपूजा की सांस्कृतिक की महत्ता

(लेखक--प्रो.शरद नारायण खरे/ नागपंचमी के अवसर पर विशेष आलेख)

हड़प्पा सभ्यता काल से ही नाग पूजा अस्तित्व में है ।वैसे भारतीय संस्कृति हर प्राणी के प्रति करुणा व उदारता का पाठ पढ़ाती है ।वास्तव में हर प्राणी की सुरक्षा में ही पर्यावरण की सुरक्षा है,और पारिस्थितिकी का संरक्षण है हमारा हर पर्व सार्थकता व उपादेयता से परिपूर्ण है ।उसी के समानांतर नागपंचमी है । किंवदन्ती है कि तक्षक गरूड़ जी के भय से बालक रूप में काशी संस्कृत की शिक्षा लेने हेतु आये,परन्तु गरूड़ जी को इसकी जानकारी हो गयी,और उन्होंने तक्षक पर हमला कर दिया, परन्तु अपने गुरू जी के प्रभाव से गरूड़ जी ने तक्षक नाग को अभय दान दे दिया ।उसी समय से नागपंचमी के दिन से नागपूजा की जाती है ।यह मान्यता है, कि जो भी नाग पंचमी के दिन यहाँ पूजा अर्चना कर नाग कुआँ का दर्शन करता है, उसकी जन्मकुन्डली के सर्प दोष का निवारण हो जाता है। हिन्दू संस्कृति ने पशु-पक्षी, वृक्ष-वनस्पति सबके साथ आत्मीय संबंध जोड़ने का प्रयत्न किया है। हमारे यहां गाय की पूजा होती है। कई बहनें कोकिला-व्रत करती हैं। कोयल के दर्शन हों,अथवा उसका स्वर कान पर पड़े तब ही भोजन लेना, ऐसा यह व्रत है। हमारे यहाँ वृषभोत्सव के दिन बैल का पूजन किया जाता है। वट-सावित्री जैसे व्रत में बरगद की पूजा होती है, परन्तु नाग पंचमी जैसे दिन नाग का पूजन जब हम करते हैं, तब तो हमारी संस्कृति की विशिष्टता पराकाष्ठा पर पहुंच जाती है।

गाय, बैल, कोयल इत्यादि का पूजन करके उनके साथ आत्मीयता साधने का हम प्रयत्न करते हैं, क्योंकि वे उपयोगी हैं। लेकिन नाग हमारे किस उपयोग में आता है, उल्टे यदि काटे तो जान लिए बिना न रहे। हम सब उससे डरते हैं। नाग के इस डर से नागपूजा शुरू हुई होगी, ऐसा कई लोग मानते हैं, परन्तु यह मान्यता हमारी संस्कृति से सुसंगत नहीं लगती।

नाग को देव के रूप में स्वीकार करने में आर्यों के हृदय की विशालता का हमें दर्शन होता है। %कृण्वन्तो विश्वमार्यम्‌ % इस गर्जना के साथ आगे बढ़ते हुए आर्यों को भिन्न-भिन्न उपासना करते हुए अनेक समूहों के संपर्क में आना पड़ा। वेदों के प्रभावी विचार उनके पास पहुँचाने के लिए आर्यों को अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा ।विभिन्न समूहों की उपासना विधि में रहे फर्क के कारण होने वाले विवाद को यदि निकाल दिया जाए तो मानव मात्र वेदों के तेजस्वी और भव्य विचारों को स्वीकार करेगा, जिस पर की आर्यों की अखण्ड श्रद्धा थी। इसको सफल बनाने के लिए आर्यों ने अलग-अलग पुंजों में चलती विभिन्न देवताओं की पूजा को स्वीकार किया और अलग-अलग पुंजों को उन्होंने आत्मसात करके अपने में मिला लिया। इन विभिन्न पूजाओं को स्वीकार करने के कारण ही हमें नागपूजा प्राप्त हुई होगी, ऐसा लगता है।

भारत वर्ष में सर्प पूजन --

================

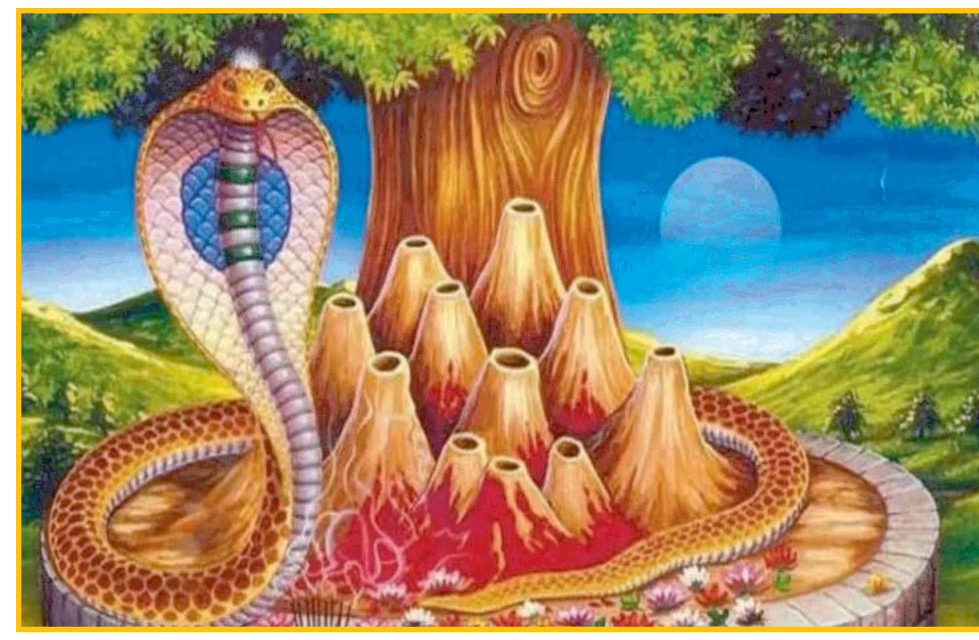

भारत देश कृषिप्रधान देश था और है। सांप खेतों का रक्षण करता है, इसलिए उसे क्षेत्रपाल कहते हैं। जीव-जंतु, चूहे आदि जो फसल को नुकसान करने वाले तत्व हैं, उनका नाश करके सांप हमारे खेतों को हराभरा रखता है।

साँप हमें कई मूक संदेश भी देता है। साँप के गुण देखने की हमारे पास गुणग्राही और शुभग्राही दृष्टि होनी चाहिए। भगवान दत्तात्रय की ऐसी शुभ दृष्टि थी, इसलिए ही उन्हें प्रत्येक वस्तु से कुछ न कुछ सीख मिली ।साँप सामान्यतया किसी को अकारण नहीं काटता। उसे परेशान करने वाले को या छेड़ने वालों को ही वह डंसता है। साँप भी प्रभु का सर्जन है, वह यदि नुकसान किए बिना सरलता से जाता हो, या निरुपद्रवी बनकर जीता हो तो उसे मारने का हमें कोई अधिकार नहीं है। जब हम उसके प्राण लेने का प्रयत्न करते हैं, तब अपने प्राण बचाने के लिए या अपना जीवन टिकाने के लिए यदि वह हमें डँस दे तो उसे दुष्ट कैसे कहा जा सकता है? हमारे प्राण लेने वालों के प्राण लेने का प्रयत्न क्या हम नहीं करते? साँप को सुगंध बहुत ही भाती है। चंपा के पौधे से लिपटकर वह रहता है ।या तो चंदन के वृक्ष पर वह निवास करता है। केवड़े के वन में भी वह फिरता रहता है। उसे सुगंध प्रिय लगती है, इसलिए भारतीय संस्कृति को वह प्रिय है। प्रत्येक मानव को जीवन में सद्गुणों की सुगंध आती है, सुविचारों की सुवास आती है, वह सुवास हमें प्रिय होनी चाहिए ।हम जानते हैं कि साँप बिना कारण किसी को नहीं काटता। वर्षों परिश्रम संचित शक्ति यानी जहर वह किसी को यों ही काटकर व्यर्थ खो देना नहीं चाहता। हम भी जीवन में कुछ तप करेंगे तो उससे हमें भी शक्ति पैदा होगी। यह शक्ति किसी पर गुस्सा करने में, निर्बलों को हैरान करने में या अशक्तों को दु:ख देने में व्यर्थ न कर उस शक्ति को हमारा विकास करने में, दूसरे असमर्थों को समर्थ बनाने में, निर्बलों को सबल बनाने में खर्च करें, यही अपेक्षित है।

कुछ दैवी साँपों के मस्तिष्क पर मणि होती है। मणि अमूल्य होती है। हमें भी जीवन में अमूल्य वस्तुओं को (बातों को) मस्तिष्क पर चढ़ाना चाहिए। समाज के मुकुटमणि जैसे महापुरुषों का स्थान हमारे मस्तिष्क पर होना चाहिए। हमें प्रेम से उनकी पालकी उठानी चाहिए और उनके विचारों के अनुसार हमारे जीवन का निर्माण करने का अहर्निश प्रयत्न करना चाहिए। सर्व विद्याओं में मणिरूप जो अध्यात्म विद्या है, उसके लिए हमारे जीवन में अनोखा आकर्षण होना चाहिए। आत्मविकास में जो सहायक न हो, उस ज्ञान को ज्ञान कैसे कहा जा सकता है? साँप बिल में रहता है और अधिकांशत: एकान्त का सेवन करता है। इसलिए ज्ञानपिपासु को जनसमूह को टालना चाहिए। इस बारे में साँप का उदाहरण दिया जाता है।

देव-दानवों द्वारा किए गए समुद्र मंथन में साधन रूप बनकर वासुकी नाग ने दुर्जनों के लिए भी प्रभु कार्य में निमित्त बनने का मार्ग खुला कर दिया है। दुर्जन मानव भी यदि सच्चे मार्ग पर आए तो वह सांस्कृतिक कार्य में अपना बहुत बड़ा योग दे सकता है और दुर्बलता सतत खटकती रहने पर ऐसे मानव को अपने किए हुए सत्कार्य के लिए ज्यादा घमंड भी निर्माण नहीं होगा।

दुर्जन भी यदि भगवद्‌ कार्य में जुड़ जाए तो प्रभु भी उसको स्वीकार करते हैं, इस बात का समर्थन शिव ने साँप को अपने गले में रखकर और विष्णु ने शेष-शयन करके किया है ।समग्र सृष्टि के हित के लिए बरसात के कारण निर्वासित हुआ साँप जब हमारे घर में अतिथि बनकर आता है तब उसे आश्रय देकर कृतज्ञ बुद्धि से उसका पूजन करना हमारा कर्त्तव्य हो जाता है। इस तरह नाग पंचमी का उत्सव श्रावण महीने में ही रखकर हमारे ऋषियों ने बहुत ही औचित्य दिखाया है ।नागपंचमी के पर्व की व्यावहारिक महत्ता से भी कदापि इंकार नहीं किया जा सकता। यह प्राकृतिक-संरक्षण की दृष्टि से भी सारगर्भित व लोकोपयोगी है ।हर हालत में नाग का संरक्षण आवश्यक है ।

ज्ञान गंगा

अज्ञानता

जग्गी वासुदेव

बुराई न तो एक गुण है और न ही यह एक कार्य है, बल्कि यह तो अज्ञानता का परिणाम है। इसे कई तरह से समझाया गया है। आपने यह जरूर सुना होगा, 'वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।' जहां अज्ञानता होती है, वहां बुराई का होना स्वाभाविक है- चाहे उसे बुराई के रूप में पहचाना जाए या नहीं। सबसे भयंकर चीजें इसलिए नहीं होतीं क्योंकि कोई व्यक्ति बुरा है, बल्कि इसलिए होती हैं क्योंकि वह अज्ञानी है। कोई व्यक्ति यदि कुछ भयंकर चीज कर रहा है तो उस पर बुराई का ठप्पा लगता है या नहीं, यह बस संख्याओं और ताकत का सवाल है। यह इस पर निर्भर करता है कि आपके साथ कितने लोग हैं। अगर किसी बुरे काम में आपके साथ पूरा शहर आ जाता है, तो वह एक सही चीज बन जाएगी। आज, हम उन 'सही चीजों' के साथ कोई लेना-देना नहीं रखना चाहते, जो अतीत में लोगों ने की हैं, क्योंकि वे बहुत भयंकर चीजें थीं। आज सबसे बुरा आदमी भी वह कार्य नहीं करता है जो पहले के 'अच्छे लोगों' ने किए हैं। और आज भी चीजों में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। बुराई कभी नहीं जाती। यह जा भी नहीं सकती क्योंकि यह न तो एक गुण है और न ही यह एक कार्य है, यह तो 'जानने' की गैरमौजूदगी है। अगर कोई चीज मौजूद है तो हम उसे नष्ट कर सकते हैं, लेकिन गैर-मौजूदगी नहीं जा सकती-आप अंधकार को नष्ट नहीं कर सकते, आपको बस प्रकाश को लाना होगा। इसी तरह से, आप बुराई को नष्ट नहीं कर सकते, आपको बस 'जानना' और जागरूकता को लाना होगा। बुराई अपना रूप, चेहरा और दिशा बदल लेती है लेकिन सौभाग्य से, अज्ञानता का केवल एक ही रूप है, तो इससे आसानी से निपटा जा सकता है। अज्ञानता से निपटने के लिए हमें अस्तित्व को जानना होगा। अस्तित्व को जानने के लिए, पहले हमें यह समझना होगा कि आपका मन और शरीर, इस दुनिया और इसके लोगों के द्वारा बनाए गए हैं। आपकी मूल प्रकृति आपके अनुभव में नहीं है क्योंकि वह मन के दूसरी तरफ है। एक तरह से, आपका मन एक आईने की तरह है। हो सकता है कि यह विकृत हो, लेकिन फिर भी यह एक आईना ही है। आप दुनिया को इसलिए देखते हैं क्योंकि यह आपके मन रूपी आईने में प्रतिबिंबित होती है। लेकिन मन कभी 'स्वयं' को इस आईने में नहीं दिखाता।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक नागपंचमी

(लेखिका - जया शर्मा)

हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नाग देवता सारी धरती का भार अपने माथे पर संभाले हुए हैं। इसीलिए श्रावण शुक्ल पंचमी को नाग देवता की पूजा की जाती है। दूध, जल, फूल, चावल, नारियल आदि पूजन की सकल सामग्री के साथ नाग की पूजा कर दूध पिलाने का चलन हैं। कुछ लोग दीवार में नाग देवता का चित्र बनाकर पूजा करते हैं। शाम को बगीचे या पेड़ के नीचे घी और दूध रखकर क्षमा प्रार्थना की जाती हैं- हे प्रभु जहाँ हो वहीं रहियो, हमारी रक्षाकरियो, न आँखों दिखियो, न कानों सुनाइयो। श्रावणमास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को भारत में नागपंचमी के रूप में मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन नाग पूजा करके नाग को दूध पिलाना चाहिए। इससे 'नाग देवता' हमारी रक्षा करते हैं तथा सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। कुछ हिन्दू परिवारों में नाग की छवि दीवार या कागज पर अंकित कर उसकी पूजा की जाती है। शाम को घर के बाहर आंगन में घी-दूध के दिये रखे जाते हैं।

इस संबंध में अनेक दंत कथायें प्रचलित हैं। ऐसा भी माना जाता है कि इस दिन सब्जी-फल आदि को काटना नहीं चाहिए ख्ल-बट्टे में कूटना नहीं चाहिए आदि। इस प्रकार की अनेक धारणाएं आज भी हमारे समाज में मानी जाती है। कोई तवा-कढ़ई चढ़ाने से परहेज करते हैं। तो कोई सुई-धागे के प्रयोग से। यदि एक प्रकार से देखा जाये तो ये बातें हमारी आस्था और भावनात्मक जुड़ाव तक ही सीमित होती है। कुछ लोग नाग देवता को अपने कुल का रक्षक मानते हैं। उनके अनुसार नाग उनके कुलदेवता है। इस कारण वे उनकी पूजा करते है। वास्तविकता यह है कि बरसात के कारण सर्पों के बिल में पानी भर जाता है और वे आश्रय ढूढ़ने बगीचे और घरों की और चल पड़ते हैं। अत- अगस्त माह में प्राय- सर्प घुमते दिखाई पड़ जाते है। सर्पों के प्रति श्रद्धा और अपनी रक्षा के बारे में सोचकर ही लोगों ने उन्हें पूजना आरम्भ कर दिया। सर्पों का राजा को बरा जाति के साँप का माना जाता है। इसका विवरण अनेक पौराणिक कथाओं में भी मिलता है। नागराज वासुकी, शेषनाग, कालिया, शंखपाल, पिंगल तथा तक्षक आदि नाम हमें शास्त्रों के मध्य मिलते हैं।

भगवान नारायण की शयनसैया तो शेषनाग ही है। हम सभी जानते हैं कि क्षीरसागर में विष्णु जी उसी पर विश्राम करते हैं। इसी प्रकार श्रीकृष्ण के कालियादहन की कथा से भी सभी श्रद्धालु परिचित है कि किस प्रकार यमुना नदी के किनारे खेलते हुए जब कृष्ण की गेंद यमुना नदी में गिरकर कालिया नाग के घर में जा पहुंची और किस प्रकार से उन्होंने कालिया को अपने वश में किया। इसी प्रकार भगवान बुद्ध तथा जैन मुनी श्री पार्श्वनाथ के रक्षक श्री नाग देवता माने जाते हैं तथा पार्श्वनाथ जी की मूर्ति के साथ सर्प-पूजा के दृश्य भी गुफाओं में खोदे गये हैं। यह एक पौराणिक आस्था है कि नागदेवता भगवान शिव को भी अति प्रिय हैं। शिव के गले में सदा ही सर्प लहराता हुआ दर्शाया जाता है। सभी शिव-भक्त सर्प की पूजा में विश्वास करते है। क्योंकि सर्प उनका विशेष आभूषण दूध से किया जाता है उसी प्रकार नागपूजा में भी दूध चढ़ाने का विशेष महत्व होता है। सर्प पूजा का विधान इस कारण भी माना जाता है कि सर्प विषैले होते हैं। उनकी पूजा करके लोग उनके प्रकोप से बचना चाहते हैं। सर्प की पूजा से व्यक्ति उनमें आस्था प्रकट करता है तथा उनसे एक वास्तविक दूरी बनाए रखता है। 'सर्प-पूजा' भारत देश में विशेषकर दक्षिण भारत, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में ''नागपंचमी'' के त्यौहार के रूप में मनाई जाती है। दक्षिण भारत के केरल, आंध्रप्रदेश, चैन्नई में नागराज मंदिर हैं। जहां इनकी नित्य पूजा की जाती है। 'नागपंचमी पर्व' पर यहां विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। मध्यप्रदेश में उज्जैन में नाग देवता का मंदिर है साल में केवल नागपंचमी के दिन पूजा होती है। इसी प्रकार जयपुर के हरदेव्जा मंदिर में भी नाग देवता की पूजा होती है। पश्चिम बंगाल के असम और उड़ीसा में भी नाग मंदिर बनाए गए हैं और नियमित पूजे जाते हैं। महाराष्ट्र में नागपंचमी के दिन महिलाएं प्रात- स्नान करके 'नववारी' साड़ी पहनकर तैयार होती है। इस दिन सबेरे नाग को पिटारी में लेकर आते हैं। स्त्रियां नागदेवता कि दूध, चावल, फूल आदि चढ़ाकर पूजा करती हैं। वे हल्दी-कुमकुम लगाकर नागदेवता को 'मीठा दूध' पीने को देती है और प्रार्थना करती है कि उनके घर में सुख-समृद्धि रहे तथा उनकी रक्षा करना। कुछ घरों की वृद्ध माताएं पांच सर्पों की आकृति बनाकर उसकी पूजा करती हैं। पंजाब में 'नागपंचमी' का त्यौहार गुगानवमां कहलाता है। इस दिन यहां आटे को सानकर एक बड़े नाग का स्वरूप दिया जाता है। इसे बनाने के लिए मोहल्ले के सभी लोग एक स्थान पर आटा और घी या मक्खन इकट्ठा करते हैं। इसके बाद 'नाग' बनाते हैं और नाच-गाकर धूमधाम से इसकी पूजा करते हैं। दूसरे दिन उसे जमीन में गड्ढा करके गाड़ देते हैं। यह परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है। कुछ स्थानों पर इस दिन नागदेवी 'मन्सा' की पूजा की जाती है। खासतौर पर बंगाल के स्थानों में नागदेवी की पूजा होती है। 'नागपंचमी हमारे धार्मिक पर्वों में से एक है यह सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है।

स्पाइसजेट भारत-ब्रिटेन रुट पर शुरू करेगी उड़ानें, 22 मार्च से थी पाबंदी

मुंबई। बजट एयरलाइन स्पाइसजेट को भारत से ब्रिटेन के लिए उड़ान सेवाएं शुरू करने की अनुमति मिल गयी है। कंपनी ने शुक्रवार को इस बारे में शेयर बाजार को जानकारी दी। कंपनी को भारत की अनुसूचित एयरलाइन का दर्जा मिल चुका है। कंपनी ने कहा कि द्विपक्षीय हवाई यातायात सेवा समझौते के तहत भारत और ब्रिटेन की सरकार ने स्पाइसजेट को 'भारत-ब्रिटेन' वायुमार्ग पर सेवा शुरू करने की अनुमति दी थी। 'हवाई सेवा समझौता' एक द्विपक्षीय समझौता होता है जो दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक यात्री उड़ान सेवाएं शुरू करने की अनुमति देता है। स्पाइसजेट को यह अनुमति ऐसे समय में मिली है जब कोरोना वायरस के चलते देशभर में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 22 मार्च से पाबंदी है। मौजूदा समय में केवल सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया भारत और ब्रिटेन के बीच उड़ानों का परिचालन कर रही है।

कमजोर मांग से जस्ता वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार से नकारात्मक संकेत लेते हुए सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को जस्ता की कीमत 1.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 174.10 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जस्ता के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 2.30 रुपये अथवा 1.3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 174.10 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 1,302 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से यहां जस्ता वायदा कीमतों में हानि दर्ज हुआ।

कमजोर मांग से निकेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करने के कारण शुक्रवार को वायदा कारोबार में निकेल की कीमत 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,008.50 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में निकेल के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 18.10 रुपये अथवा 1.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,008.50 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 1,018 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्यतः यहां निकेल वायदा कीमतों में गिरावट आई।

कमजोर मांग से चांदी वाचदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । कमजोर मांग के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को कम करने से वायदा कारोबार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 17 रुपये की हानि के साथ 61,173 रुपये प्रति किग्रा रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 17 रुपये अथवा 0.03 प्रतिशत हानि के साथ 61,173 रुपये प्रति किग्रा रह गयी जिसमें 13,810 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में, चांदी की कीमत 0.64 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22.84 डॉलर प्रति औंस रह गई।

बीमा कंपनी में 5 प्रतिशत से अधिक शेयर की बिक्री, गिरवी रखने से पहले लेनी होगी मंजूरीः इरडा

नई दिल्ली।

इरडा ने कहा कि किसी बीमा कंपनी की चुकता पूंजी का 5 प्रतिशत हिस्सेदारी की खरीद, बिक्री और गिरवी के लिये नियामक से पूर्व मंजूरी की जरूरत होगी। नियामक ने यह भी कहा कि इस दिशानिर्देश में किसी प्रकार के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा कंपनियों के शेयर हस्तांतरण को लेकर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि किसी बीमा कंपनी के शेयर की बिक्री और खरीद से संबद्ध प्रावधान इक्विटी को गिरवी रखने या इस तरह के किसी भी कदम पर भी लागू होंगे।

उसने कहा कि चुकता पूंजी का एक प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक शेयरों की बिक्री और खरीद के मामले में उपयुक्त नियमों का पालन होना चाहिएनियामक ने कहा, 'अगर शेयर का हस्तांतरण हस्तांतरणकर्ता, उसके परिजन, एसोसएिट एंटरप्राइजेज और उसकी इच्छा अनुसार काम करने वाला व्यक्ति द्वारा कुल मिलाकर संबंधित बीमा कंपनी की चुकता पूंजी का पांच प्रतिशत से अधिक होता है, तो इस बारे में इरडा से पहले से मजूरी लेनी होगी।' शेयर हस्तांतरण के बारे में आवेदन संबंधित बीमा कंपनी के जरिये देना चाहिए। साथ ही अगर किसी तरह के अधिग्रहण प्रस्ताव से संबंधित व्यक्ति या इकई की हिस्सेदारी बीमा कंपनी में 5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, तो उस बारे में इरडा से पहले से मंजूरी लेनी होगी। इरडा ने कहा कि अगर निर्धारित सीमा से अधिक शेयरों का हस्तांतरण बिना पूर्व मंजूरी के होता है, प्राधिकरण उपयुक्त नियामकीय और कानूनी कार्रवाई करेगा।

वेलस्पन इंडिया का शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत घटकर 53.75 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। कपड़ा कंपनी वेलस्पन इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 65.56 प्रतिशत घटकर 53.75 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 156.07 करोड़ रुपये था। शेयर बाजार को शुक्रवार को दी जानकारी में कंपनी ने कहा समीक्षावधि में उसकी कुल आय 1,216.04 करोड़ रुपये रही। यह इससे पिछले वित्त वर्ष 2019-20 की अप्रैल-जून तिमाही में हुई 1,736.29 करोड़ रुपये की कुल आय से 29.96 प्रतिशत कम है। वेलस्पन समूह के चेयरमैन बी. के. गोयनका ने कहा कि बीती तिमाही अश्चितता भरी और चुनौतीपूर्ण रही। अब हम इस नयी परिस्थितियों के लिए तैयार हैं और हमने रिकॉर्ड समय में अपना परिचालन शुरू किया है।

गरीब लोगों को कैसे मिले आसानी से कर्ज, गड़करी बता रहे तरीका

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सामाजिक संस्थानों के जरिये गरीबों के लिये छोटी राशि के कर्ज (माइक्रोफाइनेंस) आसानी से उपलब्ध कराने पर जोर दिया। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम) मंत्री ने कहा कि इस बारे में उनकी नीति आयोग के सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) अमिताभ कांत, उपाध्यक्ष राजीव कुमार तथा टाटा समूह एवं आईआईटी के साथ चर्चा हुई है। उन्हेंने कहा कि वे अब नीति का निर्माण कर रहे हैं जिसके आधार पर रिजर्व बैंक सामाजिक सूक्ष्म वित्त संस्थानों के लिये आसानी से मंजूरी, लाइसेंस दे सकता है। डिजिटल तरीके से वेब पोर्टल की शुरूआत के मौके पर अपने संबोधन में गडकरी ने कहा कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अच्छा काम कर रही हैं लेकिन उन पर काफी दबाव है। गडकरी ने कहा कि 'वेब प्लेटफार्म' के साथ एक पारदर्शी, समयबद्ध और परिणाम उन्मुख कंप्यूटरीकृत प्रणाली की जरूरत है, जहां हम एक सूक्ष्म वित्त संस्थान शुरू कर सकते और जो गरीब लोगों को आसाीनी से ऋण दे सके। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह समय की जरूरत है। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र के लिये और नकदी की जरूरत को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद में 30 प्रतिशत का योगदान कर रहा है।

कोरोना का कहर:

एयरलाइन इंडस्ट्री में गई 4 लाख नौकरियां, अभी और बदतर होंगे हालात

बिजनेस डेस्क।

कोरोना वायरस महामारी का सबसे ज्यादा असर एयरलाइन सेक्टर पर पड़ा है। पहले से आर्थिक संकट से जूझ रहीं कुछ एयरलाइन कंपनी इस समय बर्बादी के कगार पर पहुंच गई हैं। दुनिया भर में करीबन 4 लाख लोग इस सेक्टर में बेरोजगार हो गए हैं। कोरोना संक्रमण से बचने के लिए दुनिया के अधिकांश देशों ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लगा रखा है। जो विमान उड़ भी रहे हैं तो उनमें भी यात्रियों की संख्या बहुत कम है। लोग संक्रमण और लंबे समय तक क्वारंटीन में रहने की आशंका के कारण हवाई यात्रा से बच रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक इस सेक्टर से 4 लाख लोगों को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी है। इनमें से काफी कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेज दिया गया है। जबकि कई कंपनियों ने अपने कर्मचारियों से कह दिया है कि उनकी नौकरी आगे जा सकती है। इसके लिए वे अपनी तैयारी कर लें। रिपोर्ट के मुताबिक,

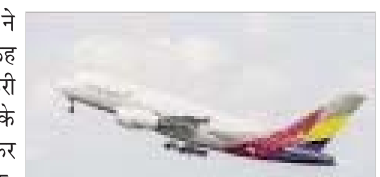

ब्रिटिश एयरवेज, डॉयचे लुफ्थांसा एजी, एमिरेट्स एयरलाइन और कवांटास एयरवेज लिमिटेड ने बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। साथ ही कुछ को बिना वेतन के छुट्टी पर भेज दिया है। अमेरिका में नौकरी में कटौती पर प्रतिबंध के बाद भी बडी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी होने की संभावना है। डेल्टा एयर लाइन्स इंक, यूनाइटेड एयरलाइंस होल्डिंग्स इंक और अमेरिकन एयरलाइंस ग्रुप इंक ने पहले ही लगभग 35,000 कर्मचारियों को चेतावनी दे दी है कि उनकी नौकरी खतरे में है। इन तीनों कंपनियों को मिलाकर साल के अंत तक करीब एक लाख कर्मचारियों को निकाला जा सकता है। यहां तक कि पायलट और केबिन क्रू जिनकी नौकरी अभी बची हुई है वह बड़े वेतन कटौती का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 4 लाख नौकरियां जाने का आंकड़ा दुनियाभर की एयरलाइंस से हैं। इनमें पायलट और केबिन क्रू भी शामिल हैं। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार विमान निर्माताओं, इंजन निर्माताओं, एयरपोर्ट और ट्रैवल एजेंसियों सहित संबंधित इंडस्ट्री में नौकरी का नुकसान ढाई करोड़ तक पहुंच सकता है। एयरबस एसई और बोइंग 30,000 से अधिक लोगों की छंटनी की है।

पंजाब सरकार ने निवेश को प्रोत्त्साहन को उद्योगों के लिए नियमों में ढील दी

चंडीगढ़। कोविड-19 महामारी के बीच राज्य में निवेश को प्रोत्साहन को पंजाब सरकार ने उद्योगों के लिए नियमों को उदार करने की घोषणा की है। शुक्रवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इसके तहत उद्योगों की सांविधिक मंजूरी की वैधता को बिना निरीक्षण विस्तार देने का फैसला किया गया है। इस बारे में विस्तृत दिशानिर्देश पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने जारी किए हैं। बोर्ड ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह के निर्देश पर नियमों में ढील देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस कदम का मकसद ऐसे कठिन समय में सांविधिक मंजूरी हासिल करने की प्रक्रिया को सुगम बनाना है। प्रवक्ता ने कहा कि नियमों को उदार किए जाने से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और वे मौजूदा महामारी के समय में राज्य में बिना किसी बाधा निवेश करने को प्रोत्साहित होंगे। पीपीसीबी के चेयरमैन एस एस मारवाह ने कहा कि महामारी के मद्देनजर बोर्ड ने किसी मंजूरी के लिए वैधता की अवधि को 30 जून, 2020 तक बढ़ाया था। इन मंजूरियों की इन मंजूरियों की वैधता को आवेदन देने पर बोर्ड द्वारा बिना किसी निरीक्षण के अब 31 मार्च, 2021 तक बढ़ाया जाएगा। इन मंजूरियों की वैधता को आवेदन देने पर बोर्ड द्वारा बिना किसी निरीक्षण के अब 31 मार्च, 2021 तक बढ़ाया जाएगा।

कोरोना काल में हो रही छंटनी पर रतन टाटा हुए नाराज, सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं होता बिजनेस

बिजनेस डेस्क।

टाटा समूह के संरक्षक रतन टाटा ने कोविड-19 महामारी की वजह से हो रही छंटनी को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के मुश्किल वक्त में लोगों के प्रति कंपनियों की जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने योरस्टोरी को दिए एक इंटरव्यू में कहा, ÷उद्यमियों और कंपनियों के लिए लंबे समय तक काम करने और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कर्मचारियों के प्रति संवेदनशीलता सर्वोपरि है। महामारी के दौर में आप अपने कर्मचारियों के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं, क्या यही आपकी नैतिकता है? रतन टाटा ने कहा कि कोरोना के संकट ने हर उस जगह पर असर डाला है, जहां आप हैं। आपके लिए कुछ भी कारण हो सकते हैं। आपको अपने बचाव के लिए कदम भी उठाने होंगे और कुछ फैसले भी लेने होंगे। रतन टाटा ने कहा कि जब हर कोई मुनाफे की दौड़ में है तो यह सवाल भी उठता है कि आप अपनी यात्रा मूल्यों को कितना साथ लेकर चले। बिजनेस सिर्फ पैसे बनाने के लिए नहीं होता। किसी भी कंपनी को अपने स्टेकहोल्डर्स और ग्राहकों को लेकर सब कुछ सही और मूल्यों के आधार पर ही करना चाहिए। उन्होंने कहा, जब देश में वायरस का प्रकोप शुरू ही हुआ था तभी हजारों लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया। क्या इससे आपकी समस्या हल हो सकती है? मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है, क्योंकि आपको बिजनेस में नुकसान हुआ है, ऐसे में लोगों को नौकरी से निकाल देना सही नहीं है। बल्कि उन लोगों के प्रति आपकी जिम्मेदारी बनती है। हम खुद को यह कहते हुए अलग नहीं कर पाएंगे कि हम ऐसा करना जारी रखेंगे, क्योंकि हम अपने शेयरधारकों के लिए ऐसा कर रहे हैं। आप इस माहौल में तब तक जीवित नहीं रहेंगे, जब तक कि आप संवेदनशील नहीं होते हैं, इसलिए सबसे पहले लोगों को उस कार्यस्थल के बारे में चिंतित होना चाहिए । उन्होंने कहा, आपके पास छुपने या भागने के लिए कोई जगह नहीं है, आप जहां भी जाते हैं कोविड-19 महामारी आपको हिट करती है। ऐसे में बेहतर है कि स्थिति को स्वीकार करें। आपके कारण जो भी हो सकता हैं आपको उन बातों में बदलाव करना होगा, जिन्हें आप उचित या अच्छा मानते हैं या जीवित रहने के लिए आवश्यक है। कोरोनावायरस महामारी ने कई सेक्टर में बिजनेस को मुश्किल में डाल दिया है, उनमें से कई ने बिजनेस में बने रहने के लिए छंटनी और वेतन कटौती का सहारा लिया है। महामारी बढ़ते प्रकोप के कारण स्टार्टअप इकोसिस्टम से कई यूनिकॉर्न (7.4 हजार करोड़ रुपए वैल्यूएशन वाले स्टार्टअप्स) जैसे ओला, ओयो, स्विगी और जोमैटो को अपने कर्मचारियों के साथ-साथ व्यापार को भी कम करना पड़ा। रतन टाटा ने महामारी के चलते प्रवासी और दिहाड़ी मजदूरों की स्थिति के बारे कहा कि आय का कोई सोर्स नहीं होने के कारण लॉकडाउन के दौरान प्रचंड गर्मी में बिना किसी सार्वजनिक परिवहन के उन्होंने घर वापसी की। उन्होंने कहा, ÷देश की सबसे बड़ी श्रम शक्ति को कह दिया गया आपके लिए कोई काम नहीं है और आपको घर भेजने के साधनों का तरीका भी नहीं है। उनके खाने के लिए भोजन नहीं है, रहने के लिए जगह नहीं है। इसे लेकर किसी को दोष देने की इच्छा नहीं है, लेकिन यह पारंपरिक दृष्टिकोण था, अब वह दृश्य बदल गया है। आप ऐसा करने वाले कौन हैं?। ये वे लोग हैं जिन्होंने आपके लिए काम किया है।

वित्त मंत्रालय ने नीति आयोग से कहा, संपत्ति बाजार पर चढ़ाने की पांच साल की योजना बने

नई दिल्ली।

वित्त मंत्रालय ने नीति आयोग से बाजार पर संपत्ति चढ़ाने की पंचवर्षीय योजना पर काम करने का आग्रह किया है। केंद्र सरकार अपने वित्त पोषण की जरूरतों को पूरा करने के लिये लगातार प्रयास कर रही है और यह पहल उसी का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के राजा रमण ने उद्योग मंडल फिक्की द्वारा डिजिटल तरीके से आयोजित कार्यक्रम के एक सत्र में कहा कि नीति आयोग ने चालू वित्त वर्ष के लिये बाजार पर चढ़ाने के लिये करीब एक लाख करोड़ रुपये की योजना को रखा है। उन्होंने कहा, 'हमने अब नीति आयोग से बाजार पर संपत्ति चढ़ाने की पंचवर्षीय योजना पर काम करने का आग्रह किया है ताकि बाजार को यह पता रहे कि किसी प्रकार की संपत्ति आने वाली है।' राजा रमण ने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचा क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिये कई सुधारों को आगे बढ़ाया है। अधिकारी ने कहा कि 2019-2025 के लिये 111 लाख करोड़ रुपये की 'नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) के बारे में कर्ज से वित्त पोषण चुनौतीपूर्ण है। सरकार इसके समाधान के लिये काम कर रही है। एनआईपी पर गठित कार्यबल ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को अप्रैल में अंतिम रिपोर्ट दे दी। इसमें वित्त पोषण की जरूरत को पूरा करने के लिये बांड जरूरत को पूरा करने के लिये बांड बाजार का विस्तार करना, विकास वित्त संस्थानों का गठन तथा जमीन को बाजार पर चढ़ाने के जैसे उपायों के सुझाव दिये गये हैं।

आरटीआई में खुलासा, बीते एक साल में 18 सरकारी बैंकों में हुए 1.48 लाख करोड़ रुपए के फ्रॉड

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पता चला है कि पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में सरकारी सेक्टर के तत्कालीन 18 बैंकों द्वारा कुल 1,48,428 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के 12,461 मामले सूचित किए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने आरटीआई ऐक्टिविस्ट चंद्रशेखर गौड़ की ओर से मांगी गई जानकारी के जवाब में यह आंकड़ा दिया है। आरबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा केस एसबीआई में दर्ज किए गए हैं। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक को धोखाधड़ी के मामलों से 44,612 करोड़ रुपए की चपत लगी है। बैंक में धोखाधड़ी के कुल 6,964 मामले सामने आए हैं। 18 बैंकों में सामने आए सभी फ्रॉड केस के अनुपात में देखें तो अकेले एसबीआई को ही 30 फीसदी की चपत लगी है। आरबीआई ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक द्वारा एक अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि में धोखाधड़ी के 395 मामले सूचित किए गए जिसमें 15,354 करोड़ रुपए की रकम शामिल है। इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर बैंक ऑफ बड़ौदा रहा जिसमें 349 मामलों के साथ 12,586.68 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी सामने आई। आपको बता दें कि बैंक ऑफ बड़ौदा में विजया बैंक और देना बैंक का विलय एक अप्रैल, 2019 से अमल में आया था। एक अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि में बैंकों में धोखाधड़ी एसबीआई में 44,612.93 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी से जुड़े 6,964 मामले सूचित किए गए पंजाब नेशनल बैंक में 15,354 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के 395 मामले सूचित किए गए बैंक ऑफ बड़ौदा में 12,586.68 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के 349 मामले सामने आए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 424 मामलों में 9,316.80 करोड़ रुपए बैंक ऑफ इंडिया ने 200 मामलों में 8,069.14 करोड़ रुपए केनरा बैंक ने 208 मामलों में 7,519.30 करोड़ रुपए इंडियन ओवरसीज बैंक ने 207 मामलों में 7,275.48 करोड़ रुपए इलाहाबाद बैंक ने 896 मामलों में 6,973.90 करोड़ रुपए यूको बैंक ने 119 मामलों में 5,384.53 करोड़ रुपए ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स ने 329 मामलों में 5,340.87 करोड़ रुपए सिंडिकेट बैंक ने 438 मामलों में 4,999.03 करोड़ रुपए कॉरपोशन बैंक ने 125 मामलों में 4,816.60 करोड़ रुपए ।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने 900 मामलों में 3,993.82 करोड़ रुपए ।

निवेश आकर्षित करने के लिए भारत को अभी और आर्थिक सुधारों की जरूरत : आईएमएफ

वाशिंगटन।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बृहस्पतिवार को कहा कि कारोबारी माहौल को मजबूत बनाने तथा व्यापार में निवेश को प्रोत्साहित करने के भारत के प्रयासों ने निवेश आकर्षित करने में मदद की है। हालांकि आईएमएफ ने साथ में यह भी जोड़ा कि टिकाऊ तथा अधिक समावेशी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिये भारत को अभी और आर्थिक सुधार करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मुख्य प्रवक्ता गैरी राइस ने फेसबुक और गूगल जैसी कंपनियों के द्वारा भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की हालिया घोषणाओं के मद्देनजर पूछे गये एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

हालिसा कुछ सप्ताह के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में 20 अरब डॉलर के एफडीआई की घोषणा की है। इससे इस साल भारत में आने वाला एफडीआई अभी ही 40 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। राइस ने संवाददाताओं से कहा, भारत में हाल के वर्षों में, व्यापार के माहौल को मजबूत करने और व्यापार में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिये लगातार प्रयास किए गये हैं। इससे निवेश को आकर्षित करने और चालू खाते के वित्तपोषण की विविधता में सुधार करने में तथा बाहरी कमजोरियों को दूर करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा, प्रासंगिक सुधारों में नयी दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), राष्ट्रीय माल एवं सेवा कर (जीएसटी) शामिल है। इन सुधारों ने भारत में कारोबार करना सुगम बनाया है और भारत विश्वबैंक के कारोबार सुगमता सूचकांक में 2018 के 100वें पायदान से छलांग लगाकर 2020 में 63वें स्थान पर पहुंच गया है। राइस ने कहा, ''फिर भी मेरे विचार से और भी अधिक निवेश आकर्षित करने व टिकाऊ

व समावेशी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिये अभी श्रम, उत्पाद मिश्रित भूमि और अन्य आर्थिक सुधार तथा अधिक बुनियादी ढांचा निवेश आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने कोरोना वायरस महामारी के कारण इस साल भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 4.5 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान व्यक्त किया है।

चीनी ऐप राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा, जानकारियां बेच करते हैं कमाईः गंगवार

पटना।

बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक (आर्थिक अपराध इकाई) जी. एस. गंगवार ने चीन के मोबाइल ऐप को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया और कहा कि ये ऐप ऐसी-ऐसी जानकारियां मांगते हैं, जिनकी कोई खास जरूरत नहीं होती और बाद में वे उसे थर्ड पार्टी को बेचकर कमाई करती हैं। गंगवार ने गुरुवार को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), पटना द्वारा 'आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदमः चाइनीज ऐप पर प्रतिबंध विषय पर आयोजित वेबिनार में कहा कि केंद्र सरकार ने 29 जून 2020 को 59 चीनी ऐप पर सूचना-प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 के तहत पाबंदी लगाई है। ऐसे ऐप जब दूसरे देशों में लोकप्रिय कराए जाते हैं तो राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ता ही है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐप से हमारी एकता, अखंडता, संप्रभुता, सुरक्षा, लोक व्यवस्था और अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया जा सकता है। भारत में 60 करोड़ मोबाइल फोन उपभोक्ता हैं जबकि इन्टरनेट इस्तेमाल करने वाले 80 करोड़ हैं। अन्य ऐप के मुकाबले प्रतिबंधित ऐप टिक टॉक 50 प्रतिशत अधिक सूचनाएं मांगता है। अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि आज इंटरनेट पर डाटा ट्रांसफर की जो दर है, वह बहुत ही विशाल है। इस समय लगभग डेढ़ लाख गीगा बाइट (जीबी) प्रति सेकंड की दर से डाटा का ट्रांसफर होता है। इन डाटा की वाशिंग और प्रोसेसिंग की जाती है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंततः इस डेटा का उपयोग कहां और कैसे होता है। ऐप द्वारा ऐसी-ऐसी जानकारियां और परमिशन मांगे जाते हैं, जिनकी कोई खास जरूरत नहीं होती।

उन्होंने डाटा को आज का ऑयल (तेल) बताया, जिसे कंपनियां थर्ड पार्टी को बेचकर कमाई करती हैं। इन सबसे बचने के उपायों का उल्लेख करते हुए ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बाबर आजम के सपोर्ट में आए भारतीय गेंदबाज अश्विन, कहा- कोहली से तुलना करना सही नहीं

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम की तुलना भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली से की जाती है। इस पर भारतीय गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि बाबर की कोहली से तुलना सही नहीं है। अश्विन ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि मैं बाबर आजम की बल्लेबाजी काफी एंज्वाय करता हूं। मैंने ऑस्ट्रेलिया में उसकी शतकीय पारी देखी थी। विराट कोहली के साथ उसकी तुलना से उस पर दबाव बढ़ता है जोकि सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कोहली दुनिया के सबसे बेहतरीन क्रिकेटरों में से एक हैं। मुझे यकीन है कि बाबर का समय भी आ जाएगा। बाबर ने साल 2015 में वनडे में डेब्यू किया था लेकिन वह पहले से ही ऐसे बल्लेबाज रहे हैं जो चुनौतियों से घबराता नहीं है। बार ने लम्बे फार्मेट क्रिकेट और 50 ओवर के खेल में 45 की औसत से रन बनाए हैं। वहीं कोहली की बात करें तो टेस्ट में वह 53 और वनडे में 60 की औसत से रन बना रहे हैं। गौर हो कि पाकिस्तान को इंग्लैंड के साथ टेस्ट और टी20 सीरीज खेलनी है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 30 जुलाई से शुरू होगी।

एशियाड इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत

मिक्स्ड रिले टीम को गोल्ड, एशियाड में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

भारत की चार गुना 400 मीटर की मिक्स्ड रिले टीम को बहरीन टीम को अयोग्य घोषित किये जाने के बाद 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक दिया गया है जिसके बाद भारत का जकार्ता में एशियाड इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हो गया है।मोहम्मद अनस, एमआर पूवम्मा, हिमा दास और अरोकिया राजीव की चौकड़ी के नाम अब स्वर्ण पदक आ गया है जबकि अनु राघवन का महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में चौथा स्थान कांस्य पदक में बदल गया है। इसके साथ भारत के जकार्ता एशियाई खेलों में 16 स्वर्ण, 23 रजत और 31 कांस्य सहित कुल 70 पदक हो गए हैं और उसका एशियाई खेलों के इतिहास में यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हो गया है।भारत ने 1951 में अपनी मेजबानी में आयोजित हुए पहले एशियाई खेलों में 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य सहित 51 पदकजीते थे। भारत ने जकार्ता में 15 स्वर्ण जीतकर 1951 के प्रदर्शन की बराबरी की थी लेकिन इस स्वर्ण पदक के आ जाने से भारत ने उस तालिका को पीछे छोड़कर 16 स्वर्ण के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर लिया है।बहरीन की चार गुना 400 मीटर की मिक्स्ड रिले टीम ने स्वर्ण पदक जीता था लेकिन उसके एथलीट केमी एडेकोया को डोपिंग में दोषी पाया गया है और एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट ने उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बहरीन के हाथों से उसका स्वर्ण पदक छिन गया है और भारत को यह स्वर्ण पदक दिया गया है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने इस खबर पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा ,÷इन अतिरिक्त पदकों से जकार्ता एशियाई खेलों में हमारी पदक संख्या 20 पहुंच गई है जिसमें आठ स्वर्ण और नौ रजत पदक शामिल हैं। ÷मोहम्मद अनस, एमआर पूवम्मा, हिमा दास और अरोकिया राजीव की चौकड़ी ने 3=15.71 का समय लिया था। मिक्स्ड रिले की शुरुआत एशियाई खेलों में पहली बार की गई थी और एशियाई खेलों में भारत इस स्पर्धा का पहला चैंपियन बन गया है। अनु राघवन 56.77 सेकंड का समय निकाल कर चौथे स्थान पर रही थीं जबकि उनकी टीम साथ जौना मुर्मू (57.48) पांचवें स्थान पर रही थीं। एडेकोया को अयोग्य घोषित किये जाने से अनु को कांस्य और जौना को चौथा स्थान मिल गया है।

बीसीसीआई अधिकारी का बड़ा बयान- आईपीएल ना होने पर इतने हजार करोड़ का नुक्सान होता

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आईसीसी द्वारा टी20 विश्व कप 2020 स्थगित होने के बाद अब आईपीएल के 19 सितम्बर से 8 नवम्बर के बीच करवाने की खबरें सामने आई है। इससे पहले भी बीसीसीआई आईपीएल करवाने पर पूरा जोर दे रहा था। इसके पीछे का कारण है कि यदि आईपीएल नहीं होता तो 4000 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। इस बात की जानकारी बीसीसीआई अधिकारी ने दी है। एक समाचार पत्र से बात करते हुए बीसीसीआई अधिकारी ने कहा कि आईपीएल का आयोजन नहीं करने का मतलब बोर्ड के लिए 4,000 करोड़ रुपए का सीधा झटका है। हमें पहले ही 2,000 करोड़ रुपए के करीब एडवांस मिल चुके हैं। आईपीएल नहीं होने का मतलब यह होगा कि हमें ये पैसे वापस देने होंगे, या एक साल के लिए सभी अनुबंधों का विस्तार करना होगा।

दोनों विकल्प बोर्ड के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम आईपीएल रद्द करने की घोषणा करते, तो स्टार रिफंड मांगता और मामला अदालतों तक पहुंच जाता। साथ ही हमें उम्मीद थी कि आईसीसी टी20 विश्व कप को आगे बढ़ाएगा और एक खिड़की उपलब्ध होगी। किसी को नहीं पता कि ये महामारी कब कम होगी। लेकिन अब, हमारे पास आईपीएल 13 के लिए एक मौका है। गौर हो कि आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने कहा है कि आईपीएल इस बार 19 सितंबर से शुरू होगा और 8 नवम्बर को फाइनल मुकाबला यूएई में खेला जाएगा। हालांकि अभी सरकार से अनुमति मिलना बाकी है। वहीं आईपीएल फ्रैंचाइजियां 20 अगस्त तक यूएई में आईपीएल की तैयारियों के लिए पहुंच जाएंगे। फिलहाल पूरे शेड्यूल की जानकारी नहीं दी गई है।

प्रतिबंध झेल रहे शाकिब का बड़ा बयान, मैंने गलती की और चाहता हूं इससे सभी सीख लें

ढाका । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भ्रष्टाचार रोधी संहिता का उल्लंघन कर प्रतिबंध झेल रहे बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का कहना है कि उन्होंने गलती की थी और वह चाहते हैं कि उनकी इस गलती से सभी खिलाड़ी सीख लें। पिछले साल अक्टूबर में शाकिब ने अपने ऊपर लगे आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता की तीन धाराओं तो तोड़ने के आरोप को स्वीकार किया था जिसके बाद उन पर खेलने से प्रतिबंध लगा दिया था। उनका प्रतिबंध इस साल 29 अक्टूबर को खत्म हो रहा है जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। शाकिब ने कहा, 'आपको ईमानदार होना पड़ेगा। आप लोगों से झूठ नहीं बोल सके। जो कुछ भी हुआ वो हुआ। लोग गलतियां करते हैं। आप 100 फीसदी सही नहीं हो सकते। यह जरुरी है कि आप इन गलतियों से किस तरह सीख ले रहे हैं। आप लोगों को ऐसी गलतियां नहीं करने के लिए कहें। आप उन्हें रास्ता दिखाएं जिससे वे गलत रास्ते पर नहीं जाएं। उन्होंने कहा, 'अगर यह किसी और के साथ होता तो मैं इससे सीख लेता लेकिन यह मेरे साथ हुआ है और अन्य लोगों को मुझे देख इससे सीख लेनी चाहिए। मैं पहले दिन से ईमानदार रहना चाहता था। शाकिब ने कहा, 'मैं किसी से भी कुछ छिपाना नहीं चाहता था जब वे मुझसे सवाल पूछते थे। मैंने गलती की और मुझ जैसे खिलाड़ी को ऐसा नहीं करना चाहिए था। मैंने इसके लिए माफी मांगी है और अब मैं आगे बढ़ना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि सभी मेरी गलती से सीख लें और कभी ऐसी गलती नहीं करें।

शॉर्ट बॉल से डर नहीं लगता, आऊट होने से लगता है : विराट कोहली

नई दिल्ली ।

2014 के इंग्लैंड दौरे के दौरान भारतीय कप्तान विराट कोहली इंग्लिश परिस्थितियों में ड्यूक बॉल का सामना करते हुए संघर्ष करते दिखे थे। दौरे पर 5 टेस्ट मैचों में उनका स्कोर 1, 8, 25, 0, 39, 28, 0,7, 6 और 20 रहा था। इसी दौरे के बाद कोहली ने जोरदार वापसी की और आज वह सिरमौर क्रिकेटर हैं। कोहली ने उक्त दौरे से उभरने के बारे में भारतीय सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवल के साथ इंस्टाग्राम लाइव पर बात की। कोहली ने कहा- 2014 का इंगलैंड दौरा मूल रूप से परिस्थितियों को समायोजित करने पर थे। यह उन चीजों को करने के बारे में था जो मैं करना चाहता था। बशर्ते इसके लिए मुझे कठोर होना चाहिए था। हालांकि यह इतना आसान नहीं होता। यह एक लंबा और दर्दनाक अहसास होता है जिसका अहसास मैंने किया। 2014 का दौरा हमेशा से मेरी जिंदगी का एक माइलस्टोन रहा है। मैं वहां रहना चाहता था और स्थितियों को बदलना चाहता था। कोहली बोले- मैंने महसूस किया कि टेस्ट क्रिकेट में जब ऐसा वक्त आता है तो अपने आप को कंपटीशन को बनाए रखना एक क्रिकेटर के लिए सबसे मुश्किल काम है। उस दौरे ने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर

दिया कि मैं अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को कैसे लंबा खींच सकूं। फिर एक दिन मुझे पूर्व रवि शास्त्री ने अपने कमरे में बुलाया। रवि बोले- आप क्रीज से बाहर आकर खेलो। क्या आपको शॉर्ट बॉल से डर तो नहीं लगता। रवि के इस सवाल पर मैं हैरान था। बोला- नहीं, मुझे शॉर्ट बॉल से डर नहीं लगता।

मुझे आऊट होने से डर लगता है। उस साल मैंने खूब प्रैक्टिस की। ऑस्ट्रेलिया में इसका शानदार नतीजा सामने आया।

संक्षिप्त समाचार

लिवरपूल के साथ खिताबी जश्न मना रहे फैबिन्हो के घर चोरी, जांच में जुटी पुलिस

लिवरपूल । लिवरपूल के मिडफील्डर फैबिन्हो के घर तब चोरी हो गई जब वह और उनकी टीम के साथी प्रीमियर लीग खिताब का जश्न मना रहे थे। मर्सीसाइड पुलिस ने कहा कि यह चोरी बुधवार को रात या गुरूवार को तड़के शहर के उत्तरी क्षेत्र के फोर्मबी शहर में हुई जबकि लिवरपूल लिवरपूल ने चेल्सी की मेजबानी की थी। पुलिस ने कहा कि उनके घर से गहने के अलावा एक ऑडी आरएस6 चोरी हुई, हालांकि कार बाद में विगान में 20 मील दूर मिल गई। चोरी का पता घरवालों को गुरूवार को सुबह घर पर लौटने के बाद चला। पुलिस ने कहा कि वे सुरक्षा फुटेज इकट्ठा कर रहे हैं और ब्राजील के 26 साल के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर का घर और कार की फॉरेसिंक जांच हो चुकी है। गौर हो कि लिवरपूल ने एनफील्ड में चेल्सी को 5-3 से हराकर प्रीमियर लीग ट्राफी जीतकर 30 साल के सूखे को खत्म किया था।

द्विपक्षीय सीरीज पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर का पाकिस्तान पर हमला, कहा- कुत्ते की दुम सीधी नहीं हो सकती

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय विकेटकीपर और आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य सुरिंदर खन्ना ने द्विपक्षीय सीरीज को लेकर पाकिस्तान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ तब तक द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती जब तक वह सुधरता नहीं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि लेकिन कुत्ते की दुम सीधी नहीं हो सकती। सुरिंदर खन्ना ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, लम्बे समय से क्रिकेट को डिप्लोमेट टूल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन 20 साल तक कुत्ते की दुम को नली में रखो पर वो सीधी नहीं होती और पाकिस्तान का रवैया भी वैसा ही है। उन्होंने कहा, यह एक राजनीतिक मुद्दा है और यह बेहतर होगा कि वे (सरकार) इससे निपटें। एक भारतीय के रूप में, जब तक और जब तक वे नहीं बदलते, हमें उनके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत लौटने से पहले उनके पिता लाहौर में रहते थे। गौर हो कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। उन्होंने कहा कि भारत लौटने से पहले उनके पिता लाहौर में रहते थे। गौर हो कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2007 के बाद से द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली गई है। हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच 2012 में तीन मैचों की वनडे और टी20 इंटरनेशनल सीरीज जरूर खेली थी। लेकिन दोनों देशों की टीमों ने एक दूसरे का सामना आईसीसी इवेंट्स और एशिया कप में ही किया है।

भारतीय हॉकी टीम के पास तोक्यो में इतिहास दोहराने का मौकाः हरविंदर सिंह

नई दिल्ली।

तोक्यो में पिछली बार हुए ओलंपिक में हरविंदर सिंह का स्वर्ण जीतने का सपना पूरा हुआ था और भारतीय हॉकी के पूर्व सेंटर फारवर्ड को उम्मीद है कि मनप्रीत सिंह की टीम अगले साल जापान में इतिहास को दोहरायेगी। भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में आठ स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं। लेकिन आखिरी बार 40 साल पहले 1980 के मॉस्को ओलंपिक में टीम ने पीला तमगा हासिल किया था। हॉकी इंडिया के लिए एक कॉलम में लिखा, 'अब आधी सदी बाद ओलंपिक जापान में फिर हो रहे हैं। मेरा भारतीय टीम के साथ स्वर्ण पदक जीतने का सपना वहीं पूरा हुआ था। उन्होंने लिखा, 'हमारी टीम के पास उसी स्थान पर इतिहास को दोहराने का मौका है। वे 1964 की तरह इस ओलंपिक को यादगार बना सकते हैं। तोक्यो ओलंपिक 1964 में स्वर्ण, मैक्सिको ओलंपिक 1968 और 1972 म्युनिख ओलंपिक में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे सिंह ने कहा कि अगले साल तोक्यो में भारतीय टीम पदक जीत सकती है। तोक्यो में पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल को याद करते हुए कहा, 'वह यादगार मैच था और काफी रोमांचक भी। अपने पहले ही ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का अनुभव अलग ही था।% सिंह ने कहा, 'वह तनावपूर्ण फाइनल था। अंपायर ने दोनों टीमों को मैच के दौरान किसी भी फाउल से बचने की चेतावनी दी थी। उस समय खिलाड़ी को लालकार्ड दिये जाते थे और उसे मैच से बाहर होना पड़ता था।

शाकिब बोले- मैंने बहुत गलतियां कीं लेकिन दोनों बेटियों ने मेरी जिंदगी बदल दी

बेंगलुरु । बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, जिन्हें आईसीसी ने भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के उल्लंघन के लिए प्रतिबंधित कर दिया था, ने कहा है कि लोग गलतियां करने के लिए बाध्य हो जाते हैं लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि आप कितनी अच्छी वापसी कर सकते हैं। शाकिब पर आईसीसी के भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप स्वीकार करने के बाद पिछले साल 29 अक्टूबर को सभी तरह के क्रिकेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वह 29 अक्टूबर, 2020 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को फिर से शुरू कर सकेंगे। शाकिब ने वापसी पर कहा- आप ईमानदार होना चाहते हैं। आप लोगों से झूठ नहीं बोल सकते हैं। या विभिन्न चीजों का दिखावा नहीं कर सकते।लोग गलतियां करते हैं। आप 100 फीसदी नहीं हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप उन लोगों से कितनी अच्छी तरह से वापसी कर सकते हैं। जहां तक गलतियों की बात है तो आप अन्य लोगों से कह सकते हैं कि वे गलतियां न करें। आप उन्हें वह रास्ता बताएं जिनपर वह न चलें। 33 वर्षीय ऑलराउंडर ने कहा- उन्होंने 2009 में पहली बार कप्तान बनाए जाने के बाद से उन्होंने कई विवाद देखे। उन्हें बोर्ड प्रमुख, चयनकर्ताओं और मीडिया से परेशानी थी। मुख्य रूप से चयनकर्ताओं के फैसले और 2009 के बीच स्थायी कप्तान नहीं बनाए जाने के बारे पर। इन मुद्दों ने उन्हें अंदर से बदल दिया। हसन ने कहा- मुझे लगता है कि मुझे अपने करियर में इतनी जल्दी जिम्मेदारी मिली जिस कारण मैं गलतियां करने के लिए बाध्य हो गया। जब मैं 21 साल का था तब मैं कप्तान था। मैंने बहुत सारी गलतियां की। और ऐसी बहुत सी चीजें हैं जो लोग मेरे बारे में सोचते हैं। अब मुझे महसूस होता है कि कुछ क्षेत्रों में मैं गलत था जबकि कुछ में मुझे गलत समझा गया। शाकिब बोले- निश्चित रूप से मैं वापसी के बाद कम से कम गलतियां करने की कोशिश करूंगा। मेरे दो बच्चे हैं, मैं खेल और जीवन को बेहतर ढंग से समझ सकता हूं। इसने मुझे एक शांत व्यक्ति बना दिया है। मेरी दोनों बेटियों ने मेरी जिंदगी पूरी तरह से बदल दी है। लोग अब मुझे बहुत सारी गलतियां करते हुए नहीं देखेंगे।

तोक्यो अगले साल सफल ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा : आईओए

नयी दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने गुरुवार को कहा कि उसे पूरा विश्वास है कि तोक्यो अगले साल अब तक के सर्वश्रेष्ठ खेलों की मेजबानी करेगा और देश इस खेल महाकुंभ में भाग लेने के लिये तैयार है। ओलंपिक में अब ठीक एक साल का समय बचा है। इस अवसर पर आईओए ने अपने संदेश में दुनिया भर के खिलाड़ियों और अधिकारियों के साथ साथ तोक्यो खेलों के आयोजकों को अगले साल सफल आयोजन को लेकर शुभकामनाएं दी। आईओए के महासचिव राजीव मेहता ने कहा- हमें पूरा विश्वास है कि आईओसी (अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति), उसके सहयोगी और तोक्यो में हमारे मित्र आज से एक साल बाद ओलंपिक अभियान में अब तक के सबसे सफल खेलों का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा- पूरा देश इन खेलों में भारतीय टीम की भागीदारी को लेकर उत्सुक है।

कोहली का खुलासा, सचिन-शास्त्री की इस खास सलाह ने बना दिया शानदार टेस्ट बल्लेबाज

नई दिल्ली ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली को लगता है कि 2014 में इंग्लैंड के निराशाजनक दौरे के बाद सचिन तेंदुलकर की 'तेज गेंदबाजों के खिलाफ फारवर्ड प्रेस और मुख्य कोच रवि शास्त्री की 'क्रीज के बाहर खड़े होने की सलाह की वजह से वह शानदार टेस्ट बल्लेबाज में तब्दील हुए। कोहली का इंग्लैंड का एक दौरा दुस्वप्न साबित हुआ था जब वह लगातार 10 पारियों में असफल रहे थे लेकिन बाद में साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों में चार शतक जड़कर वापसी की जिसमें 2 सैकड़े एडिलेड में लगे थे। मयंक अग्रवाल से 'बीसीसीआई डॉट टीवी में बातचीत करते हुए भारतीय कप्तान ने इंग्लैंड दौरे के बाद अपनी तकनीक में बदलाव का खुलासा किया। कोहली ने 'ओपन नेट्स विद मयंक शो में अग्रवाल से कहा, '2014 का दौरा मेरे करियर के लिए मील का पत्थर होगा। काफी लोग अच्छे दौरों को अपने करियर का मील का पत्थर कहते हैं लेकिन मेरे लिए 2014 मील का पत्थर होगा। उन्होंने कहा, 'मैं इंग्लैंड से लौटा और मैंने सचिन (तेंदुलकर) पाजी से बात की और मुंबई में उनके साथ कुछ सत्र लिए। मैंने उन्हें बताया कि मैं अपने कूल्हे की पॉजिशन पर काम कर रहा हूं। उन्होंने मुझे बड़े कदमों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ 'फारवर्ड प्रेस की अहमियत महसूस कराई। कोहली ने कहा, 'मैंने अपनी पॉजिशन के साथ जैसे ही ऐसा करना शुरू किया, चीजें अच्छी तरह होनी शुरू हो गई और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरा हुआ। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड में क्या गलत हुआ और उन्हें इसका अहसास कैसे हुआ। कोहली ने कहा, 'इंग्लैंड दौरे के दौरान मेरी 'हिप पॉजिशन मुद्दा थी। यह परिस्थितियों के अनुरूप सांमजस्य नहीं बिठा पाना था और जो करना चाह रहा था, वो नहीं कर पा रहा था। इसलिए सख्त होने से आप कहीं नहीं पहुंचते। यह महसूस करना काफी लंबा और दर्दनाक था लेकिन मैंने इसे महसूस किया। कोहली को महसूस हुआ कि 'हिप पॉजिशन की वजह से उनकी शॉट लगाने की काबिलियत सीमित हो रही थी। उन्होंने कहा, 'इसे संतुलित रखना चाहिए ताकि आप ऑफ साइड और लेग साइड दोनों ही ओर बराबर नियंत्रण बनाकर खेल सको जो काफी महत्वपूर्ण है। जेम्स एंडरसन उन्हें बाहर जाती गेंदबाजों पर ही आउट कर रहे थे। कोहली ने कहा, 'मैं गेंद के अंदर आने को लेकर सोचकर कुछ ज्यादा ही चिंतित हो रहा था। मैं इस संदेह की स्थिति से नहीं निकल सका। हालांकि उनकी तकनीक में जरा से बदलाव से उनके 'स्टांस में भी बदलाव आया जो शास्त्री (204-15 में टीम निदेशक) के सुझाव से हुआ और यह 2014-15 ऑस्ट्रेलिया दौरे के शुरू होने से पहले ही हुआ था और फिर सबकुछ बदल गया जो इतिहास ही है। कोहली ने कहा, 'उन्होंने (शास्त्री) ने मुझे एक चीज बताई, वो थी क्रीज के बाहर खड़े होने की। उन्होंने इसके पीछे के मानसिकता को भी बताया। आप जिस जगह खेल रहे हो, आपका उस पर नियंत्रण होना चाहिए और गेंदबाज को आपको आउट करने का मौका नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसलिए मैंने उसी साल से इसका अभ्यास करना शुरू किया और इसके नतीजे अविश्वसनीय थे। उन्होंने पूर्व भारतीय कोच डंकन फ्लेचर को भी श्रेय दिया जिन्हें बल्लेबाजी की अपार जानकारी है। कोहली ने कहा, 'मैंने डंकन फ्लेचर के बातचीत के बाद ही अपने 'स्टांस को बड़ा किया, जिन्हें खेल की बेहतरीन समझ है। उन्होंने मुझसे एक ही सवाल पूछा, 'क्या मैं 'फारवर्ड प्रेस और चौड़े 'स्टांस से शार्ट बॉल को खेल पाऊंगा। तो मैंने कहा, मैं कर सकता हूं शास्त्री के साथ दिलचस्प बातचीत के बारे में कोहली ने हंसते हुए बताया, 'रवि भाई ने मुझे पूछा कि क्या मैं शार्ट गेंद से डरता था।तो मैंने कहा कि मैं डरता नहीं हूं, मुझे चोट लगने से भी परेशानी नहीं है तो मैंने कहा कि मैं डरता नहीं हूं, मुझे चोट लगने से भी परेशानी नहीं है लेकिन मैं आउट नहीं होना चाहता।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

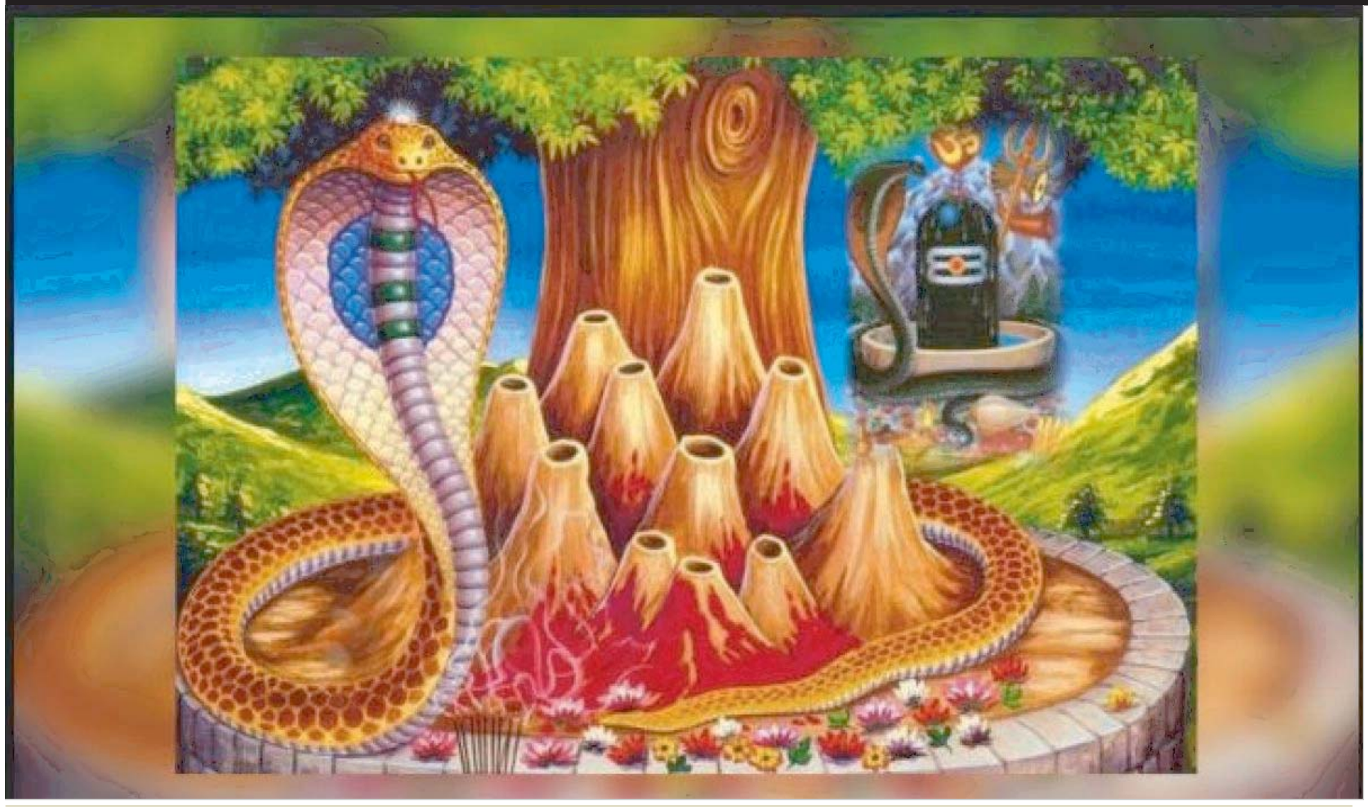

नाग पंचमी

हिंदू धर्म में नाग पंचमी मनाने का पौराणिक कारण

नाग पंचमी का महात्म्य

सर्प दोष को दूर करने वाले इस विशिष्ट पर्व नाग पंचमी के दिन नाग दर्शन का विशेष महात्म्य है क्योंकि हिन्दू धर्मग्रंथों में नाग को देवता माना गया है . इस दिन विधिवत नाग देवता की पूजा करने से अध्यात्मिक शक्ति और धन मिलता है .

नाग पंचमी की पूजा व्रत विधि

नाग पंचमी के दिन प्रातः काल उठकर नित्यकर्म से निवृत्त होकर पवित्र जल से स्नान करना चाहिए . स्नान के पश्चात पुरे दिन का व्रत रखने का संकल्प लेकर विधि - विधान से नाग देवता की पूजा करनी चाहिए . नागदेवता को भोग लगाने के लिए सेवई - चावल और ताजा भोजन बनाना चाहिए . कुछ जगहों पर नाग पंचमी से एक दिन पूर्व भोजन बनाकर रख लिया जाता है और फिर बासी भोजन को नाग पंचमी की पूजा व्रत विधि पूरी होने के बाद खाया जाता है . इस दिन नाग देवता का दर्शन जरुर करना चाहिए . नाग देवता की पूजा करते समय ऊँ कुरुकुल्ये हूं फट् स्वाहा मंत्र का जाप करने से सर्पविष दूर होता है . नाग देवता को सुगंध अत्यंत प्रिय होता है इसलिए सुगन्धित पुष्प व चंदन से ही पूजा करनी चाहिए .

नाग पंचमी पूजन विधि की विशेष सामग्री

शिवभक्त भगवान आशुतोष के प्रिय आभूषण नाग देवता का यह पर्व नाग पंचमी की पूजा व्रत विधि विधान से करने के लिए मुख्यतः दधि, कुशा, दूर्वा, गंध, अक्षत, जल, कच्चा दूध, रोली और पुष्प आदि सामग्री को व्यवस्थित कर लेना चाहिए . सफ़ेद कमल के पुष्प से नाग पंचमी पूजा करना अत्यन्त शुभ माना जाता है . भोग लगाने के लिए मिष्ठान, सेवई - चावल व ताजा भोजन बना लें .

नाग पंचमी की पूजा व्रत विधि विधान से कैसे करें

श्रावण शुक्ल पंचमी के दिन धरती या दीवाल पर नाग पंचमी पूजा स्थान बनाए . फिर उसमें नाग देवता की आकृति बनाएं . कई स्थानों पर चाँदी, सोने, काठ से बने पांच फन आकृति वाले नागदेव को स्थापित करने की प्रथा है .

- कुछ जगहों पर घर के मुख्य दरवाजे के दोनों तरफ गोबर से नाग की आकृति बनाकर पूजा की जाती है .
- नागों की बांबी में एक कटोरी दूध या लस्सी चढायें .फिर विधि - विधान से दधि, पुष्प, अक्षत, दूर्वा, कुशा गंध, कच्चा दूध, रोली, चावल, और जल आदि चढ़ाकर नाग पंचमी का पूजन करें .
- इसके बाद पूरे परिवार की मंगल कामना करते हुए सेवई - चावल और ताजे भोजन का भोग लगाएं
- भोग लगाने के पश्चात आरती करे और कथा का श्रवण करें .

धार्मिक ग्रंथों व पुराणों के अनुसार श्रावण के सोमवार के अलावा भी कई खास दिन होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक सावन के महीने की शुरूआत के साथ ही हिंदू धर्म के कई पर्व-त्यौहार की झड़ी लग जाती है। जिसमें से एक है नाग पंचमी। मान्यता है नाग पंचमी का त्यौहार भगवान शिव को अधिक प्रिय है। जिस कारण इसी दिन नाग पंचमी का त्यौहार क्यों मनाया जाता व इसका पौराणिक महत्व क्या है ये बहुत कम लोग जानते हैं।

तो आइए जानते हैं नाग पंचमी से जुड़ी खास बातें-

भविष्य पुराण के मुताबिक सावन महीने की शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष की नागपंचमी नाग देवता को समर्पित है, इसी कारण इसे नागपंचमी कहते हैं। इससे जुड़ी पौराणिक कथा की मानें तो सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी को श्री कृष्ण ने वृंदावन में नाग को हराकर लोगों का जीवन बचा लिया था। इसके बाद उन्होंने सांप के फन पर नृत्य किया, जिस कारण इन्हें नथैया कहा जाने लगा।

ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की नागपंचमी के दिन व्रत भी रखा जाता है। इस संदर्भ में गरुड़ पुराण में उल्लेख मिलता है जिसके अनुसार इस दिन व्रत रखने वाले को अपने घर के मुख्य द्वार क दोनों ओर गोबर से नागों के चित्र बनाने चाहिए और मिट्टी या आटे के सांप बनाकर उन्हें अलग-अलग रंगों से सजाना चाहिए। फिर फूल, खीर, दूध, दीप आदि से उनकी पूजा करें। पूजा के बाद अन्य लोगों में भूने हुए चने और जौं को प्रसाद के रूप में बांटें। कहा जाता है कि इस दिन नाग देवता की पूजा करने से कुंडली का सर्प योग दूर होता है तथा और भी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

नागपंचमी से जुड़ी एक अन्य पौराणिक कथा भी है, जिसके मुताबिक इस दिन सृष्टि रचयिता ब्रह्मा जी ने शेषनाग को अलंकृत किया था और उनको संपूर्ण पृथ्वी का भार उठाने का ज़िम्मा दिया थाय। कहा जाता है इसी के बाद ही लोगों ने नाग देवता की पूजा करनी शुरू कर दी, तभी से ये परंपरा आज भी चली आ रही है। तो वहीं कुछ पंडितों का कहना है कि हमारे पूर्वज सर्प के रूप में अवतरित होते हैं। यही कारण है कि इस दिन देश भर के मंदिरों में अनेक स्थानों पर नाग देवताओं की पूजा की जाती है।

नागपंचमी की सबसे प्राचीन कथा

जब नागदेव बने भाई

सावन के इस महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के दिन नागपंचमी का व्रत रखा जाता हैं और नागदेवता की पूजा की जाती हैं। इस दिन नाग महाराज का पूजन शुभ रहता हैं। पौराणिक कथा के अनुसार एक नाग ने भाई बनकर एक बहन की रक्षा की थी और तभी से नाग पंचमी का पावन पर्व मनाया जाता हैं। आज इस कड़ी में हम आपको लिए नाग पंचमी की पौराणिक कथा लेकर आए हैं जिसको सुनने का बड़ा महत्व होता हैं और यह शुभ फलदायी होती हैं। तो आइये जानते हैं इसके बारे में।

प्राचीन काल में एक सेठजी के सात पुत्र थे। सातों के विवाह हो चुके थे। सबसे छोटे पुत्र की पत्नी श्रेष्ठ चरित्र की विदूषी और सुशील थी, परंतु उसके भाई नहीं था।

एक दिन बड़ी बहू ने घर लीपने को पीली मिट्टी लाने के लिए सभी बहुओं को साथ चलने को कहा तो सभी धलिया और खुरपी लेकर मिट्टी खोदने लगी। तभी वहां एक सर्प निकला, जिसे बड़ी बहू खुरपी से मारने लगी। यह देखकर छोटी बहू ने उसे रोकते हुए कहा- 'मत मारो इसे? यह बेचारा निरपराध है।'

यह सुनकर बड़ी बहू ने उसे नहीं मारा तब सर्प एक ओर जा बैठा। तब छोटी बहू ने उससे कहा-'हम अभी लौट कर आती हैं तुम यहां से जाना मत। यह कहकर वह सबके साथ मिट्टी लेकर घर चली गई और वहां कामकाज में फंसकर सर्प से जो वादा किया था उसे भूल गई।

उसे दूसरे दिन वह बात याद आई तो सब को साथ लेकर वहां पहुंची और सर्प को उस स्थान पर बैठा देखकर बोली- सर्प भैया नमस्कार! सर्प ने कहा- 'तू भैया कह चुकी है, इसलिए तुझे छोड़ देता हूं, नहीं तो झूठी बात कहने के कारण तुझे अभी डस लेता। वह बोली- भैया मुझसे भूल हो गई, उसकी क्षमा मांगती हूँ, तब सर्प बोला- अच्छा, तू आज से मेरी बहन हुई और मैं तेरा भाई हुआ। तुझे जो मांगना हो, मांग ले। वह बोली- भैया! मेरा कोई नहीं है, अच्छा हुआ जो तू मेरा भाई बन गया।

कुछ दिन व्यतीत होने पर वह सर्प मनुष्य का रूप रखकर उसके घर आया और बोला कि 'मेरी बहन को भेज दो।' सबने कहा कि 'इसके तो कोई भाई नहीं था, तो वह बोला- मैं दूर के रिश्ते में इसका भाई हूं, बचपन में ही बाहर चला गया था। उसके विश्वास दिलाने पर घर के लोगों ने छोटी को उसके साथ भेज दिया। उसने मार्ग में बताया कि 'मैं वहीं सर्प हूं, इसलिए तू डरना नहीं और जहां चलने में कठिनाई हो वहां मेरी पूंछ पकड़ लेना। उसने कहे अनुसार ही किया और इस प्रकार वह उसके घर पहुंच गई। वहां के धन-ऐश्वर्य को देखकर वह चकित हो गई। एक दिन सर्प की माता ने उससे कहा- 'मैं एक काम से बाहर जा रही हूँ, तू अपने भाई को ठंडा दूध पिला देना। उसे यह बात ध्यान न रही और उससे गर्म दूध पिला दिया, जिसमें उसका मुख बेतरह जल गया। यह देखकर सर्प की माता बहुत क्रोधित हुई। परंतु सर्प के समझाने पर शांत हो गई। तब सर्प ने कहा कि बहिन को अब उसके घर भेज देना चाहिए। तब सर्प और उसके पिता ने उसे बहुत सा सोना, चांदी, जवाहरात, वस्त्र-भूषण आदि देकर उसके घर पहुंचा दिया। इतना ढेर सारा धन देखकर बड़ी बहू ने ईर्ष्या से कहा- भाई तो बड़ा धनवान है, तुझे तो उससे और भी धन लाना चाहिए। सर्प ने यह वचन सुना तो सब वस्तुएं सोने की लाकर दे दीं। यह देखकर बड़ी बहू ने कहा- 'इन्हें झाड़ने की झाडू भी सोने की होनी चाहिए'। तब सर्प ने झाडू भी सोने की लाकर रख दी।

सर्प ने छोटी बहू को हीरा-मणियों का एक अद्भुत हार दिया था। उसकी प्रशंसा उस देश की रानी ने भी सुनी और वह राजा से बोली कि- सेठ की छोटी बहू का हार यहां आना चाहिए।' राजा ने मंत्री को हुक्म दिया कि उससे वह हार लेकर शीघ्र उपस्थित हो मंत्री ने सेठजी से जाकर कहा कि 'महारानीजी छोटी बहू का हार पहनेंगी, वह उससे लेकर मुझे दे दो'। सेठजी ने डर के कारण छोटी बहू से हार मंगाकर दे दिया।

छोटी बहू को यह बात बहुत बुरी लगी, उसने अपने सर्प भाई को याद किया और आने पर प्रार्थना की- भैया ! रानी ने हार छीन लिया है, तुम कुछ ऐसा करो कि जब वह हार उसके गले में रहे, तब तक के लिए सर्प बन जाए और जब वह मुझे लौटा दे तब हीरों और मणियों का हो जाए। सर्प ने ठीक वैसा ही किया। जैसे ही रानी ने हार पहना, वैसे ही वह सर्प बन गया। यह देखकर रानी चीख पड़ी और रोने लगी।

यह देख कर राजा ने सेठ के पास खबर भेजी कि छोटी बहू को तुरंत भेजो। सेठजी डर गए कि राजा न जाने क्या करेगा? वे स्वयं छोटी बहू को साथ लेकर उपस्थित हुए। राजा ने छोटी बहू से पूछा- तुने क्या जादू किया है, मैं तुझे दंड दूंगा। छोटी बहू बोली- राजन ! धृष्टता क्षमा कीजिए, यह हार ही ऐसा है कि मेरे गले में हीरों और मणियों का रहता है और दूसरे के गले में सर्प बन जाता है। यह सुनकर राजा ने वह सर्प बना हार उसे देकर कहा- अभी पहनकर दिखाओ। छोटी बहू ने जैसे ही उसे पहना वैसे ही हीरों-मणियों का हो गया। यह देखकर राजा को उसकी बात का विश्वास हो गया और उसने प्रसन्न होकर उसे बहुत सी मुद्राएं भी पुरस्कार में दीं। छोटी वह अपने हार और इन सहित घर लौट आई। उसके धन को देखकर बड़ी बहू ने ईर्ष्या के कारण उसके पति को सिखाया कि छोटी बहू के पास कहीं से धन आया है। यह सुनकर उसके पति ने अपनी पत्नी को बुलाकर कहा- ठीक-ठीक बता कि यह धन तुझे कौन देता है? तब वह सर्प को याद करने लगी। तब उसी समय सर्प ने प्रकट होकर कहा- यदि मेरी धर्म बहन के आचरण पर संदेह प्रकट करेगा तो मैं उसे खा लूंगा। यह सुनकर छोटी बहू का पति बहुत प्रसन्न हुआ और उसने सर्प देवता का बड़ा सत्कार किया। उसी दिन से नागपंचमी का त्योहार मनाया जाता है और स्त्रियां सर्प को भाई मानकर उसकी पूजा करती हैं।

नागपंचमी से जुड़ीं कथाएं, मान्यताएं व महत्व

श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नागपंचमी का पर्व देशभर में बड़े धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। इस पर्व पर प्रमुख नाग मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है और भक्त नागदेवता के दर्शन व पूजा करते हैं। सिर्फ मंदिरों में ही नहीं, बल्कि घर-घर में इस दिन नागदेवता की पूजा करने का विधान है। इस बार यह पर्व 05 अगस्त, सोमवार को है। यहां जानिए नागपंचमी से जुड़ीं कथाएं, मान्यताएं व महत्व।

नागपंचमी से जुड़ीं कथाएं

- हिन्दू पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के पुत्र ऋषि कश्यप की चार पत्नियां थी। मान्यता यह है कि उनकी पहली पत्नी से देवता, दूसरी पत्नी से गुरु और चौथी पत्नी से दैत्य उत्पन्न हुए, परन्तु उनकी जो तीसरी पत्नी कद्रू थी, जिनका ताल्लुक नाग वंश से था, उन्होंने नागों को उत्पन्न किया।
- पुराणों के मतानुसार सर्पों के दो प्रकार बताए गए हैं – दिव्य और भौम । दिव्य सर्प वासुकि और तक्षक आदि हैं। इन्हें पृथ्वी का बोझ उठाने वाला और प्रज्ज्वलित अग्नि के समान तेजस्वी बताया गया है। वे अगर कुपित हो जाएं, तो फुफकार और दृष्टिमात्र से सम्पूर्ण जगत को दग्ध कर सकते हैं। इनके डसने की भी कोई दवा नहीं बताई गई है। परन्तु जो भूमि पर उत्पन्न होने वाले सर्प हैं, जिनकी दाढ़ों में विष होता है तथा जो मनुष्य को काटते हैं उनकी संख्या अस्सी बताई गई है।
- अनन्त, वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापदम, शंखपाल और कुलिक – इन आठ नागों को सभी नागों में श्रेष्ठ बताया गया है। इन नागों में से दो नाग ब्राह्मण, दो क्षत्रिय, दो वैश्य और दो शूद्र हैं। अनन्त और कुलिक – ब्राह्मण; वासुकि और शंखपाल – क्षत्रिय; तक्षक और महापदम – वैश्य; व पदम और कर्कोटक को शुद्र बताया गया है।
- पौराणिक कथानुसार जन्मजेय जो अर्जुन के पौत्र और परीक्षित के पुत्र थे; उन्होंने सर्पों से बदला लेने व नाग वंश के विनाश हेतु एक नाग यज्ञ किया क्योंकि उनके पिता राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नामक सर्प के काटने से हुई थी। नागों की रक्षा के लिए इस यज्ञ को ऋषि जरत्कारु के पुत्र आस्तिक मुनि ने रोका था। जिस दिन इस यज्ञ को रोका गया उस दिन श्रावण मास की शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि थी और तक्षक नाग व उसका शेष बचा वंश विनाश से बच गया।

मान्यता है कि यहीं से नाग पंचमी पर्व मनाने की परंपरा प्रचलित हुई।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शिवराज सरकार पर कमलनाथ का तीखा हमला- झूठे सपने दिखाकर मध्य प्रदेश को गर्त की ओर न ले जाएं

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ ने गुना जिला अस्पताल की अव्यवस्था को लेकर शिवराज सरकार पर निशाना साधा है। साथ ही साथ सीएम शिवराज को सलाह दी है कि प्रदेश की जनता को झूठे सपने दिखाकर गर्त की ओर ले जाना बंद करें। प्रदेश के गरीब वर्ग की चिंता करे और उन्हें इलाज उपलब्ध कराएं। कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि राज्य में विधायकों की ख़रीद - फ़रोख़्त जोरों पर हैं। खुली बोलियां लगाई जा रही है लेकिन गुना में ज़िला अस्पताल के सामने अशोक नगर निवासी एक महिला अपने ढाई साल के बच्चे के साथ अपने पति के इलाज के लिये दिन भर गुहार लगाती रही, 5 रुपये नहीं होने पर उसका इलाज का पर्चा नहीं बनाया गया और उसका इलाज नहीं किया गया और उसकी आंखों के सामने ही उसके पति ने तड़प- तड़प कर दम तोड़ दिया। यह है प्रदेश कि स्वास्थ्य सेवाएं , शिवराज सरकार में प्रदेश की स्थिति ? दावे बड़े-बड़े लेकिन धरातल पर स्थिति ज़ीरो। खुद को मामा बताने वाले व खुद को बड़ा जनसेवक बताने वाले आंख खोलकर देखे यह सच्चाई , आंख खोलकर देखे यह सच्चाई , प्रदेश वासियो को झूठे हवाई सपने दिखाना बंद करे , ज़मीन पर लौट आये , प्रदेश को वापस गर्त में ना ले जाये , प्रदेश के ग़रीब वर्ग की चिंता करे , उन्हें कम से कम इलाज तो उपलब्ध करवाये।

भारत में तबाही मचाने के लिए चीन और पाकिस्तान ने की सीक्रेट डील, जैविक युद्ध की रची साजिश

नई दिल्ली। दुनिया में खूनी खेल खेलने वाले पाकिस्तान और कोरोना वायरस फैलाकर पूरी दुनिया में तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराए जा रहे चीन ने अब साथ मिलकर भारत और पश्चिमी देशों में बर्बादी करने के लिए तीन साल की सीक्रेट डील की है। इस डील में क्लाक्सोन ने कई इंटेलिजेंस एजेंसियों के हवाले से बताया है कि जैविक युद्ध क्षमता विस्तार में घातक संक्रामक एजेंट एंथरेक्स सहित कई रिसर्च प्रॉजेक्ट को शामिल किया गया है। इस बात का खुलासा एक रिपोर्ट में किया गया है जिसको लेकर सिक्योरिटी एक्सपर्ट एंथोनी क्लान ने एक आर्टिकल भी लिखा है। इस रिपोर्ट्स में यह बात सामने आई हैं कि चीन दुनिया की नजरें खुद से हटाकर जैविक युद्ध के लिए पाकिस्तान को केंद्र बना रहा है। इसके मुताबिक, वुहान की जिस लैब से कोरोनावायरस के निकलने का दावा अमेरिका कर रहा है, उसने पाकिस्तान के साथ मिलकर जैविक युद्ध की तैयारी की साजिश रचना शुरू कर दिया है। निशाने पर भारत के अलावा पश्चिमी देश जैसे अमेरिका भी हो सकते हैं। इन देशों को संक्रामक बीमारियों का निशाना बनाया जाएगा। चीन ने पाकिस्तान के वैज्ञानिकों को इस बारे में डाटा और दूसरी जरूरी जानकारियां उपलब्ध करा दी हैं। इस रिसर्च में जितना भी खर्च होगा उसे वुहान लैब ही चुकाएगी। इस रिपोर्ट में ऐंथनी क्लैन ने कहा है कि वुहान लैब ने पाकिस्तान की मिलिट्री डिफेंस साइंस ऐंड टेक्नॉलजी ऑर्गनाइजेशन के साथ उभरती संक्रामक बीमारियों पर रिसर्च और संक्रामक बीमारियों के जैविक नियंत्रण के लिए समझौता किया है। पाकिस्तान के साथ चीन के इस गोपनीय समझौते से चिंता बढ़ गई है। चीन कोरोना वायरस के मुद्दे पर वैश्विक रूप से घिरने से सबक लेते हुए अपनी सीमा से बाहर जैविक हथियारों पर टेस्टिंग करना चाहता है।

राहत वाली बात यह है कि भारत और पश्चिमी देशों की इंटेलिजेंस एजेंसीज को इस बारे में जानकारी मिल चुकी है। वहीं चीन और पाकिस्तान की डील पर एक्सपर्ट का मानना है कि चीन यह चाहता है कि खतरनाक बायो केमिकल रिसर्च के लिए पाकिस्तान को केंद्र की तरह पेश कर सके और खुद किसी आलोचना से बच सके।

चीन से निपटने के लिए भारत में थिएटर कमान जल्द

इंटरनेशनल डेस्क। देश की सीमाओं को और सख्त बनाने के लिए इस समय तीनों सेनाओं को नया स्वरूप देने की कोशिश की जा रही है। इसके पीछे मकसद यह है कि संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सैन्य ताकत में इजाफा करना। इसी कड़ी में चीनी खतरे से निपटने के लिए पहली थिएटर कमान जल्द तैयार किए जाने के आसार हैं। संभावना है कि इस साल के अंत तक यह तैयार हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, अमरीका और चीन की तर्ज पर भारतीय सेनाओं को भी थिएटर कमान के भीतर लाकर आधुनिक जरूरतों के अनुरूप संचालित किया जाएगा। एक थिएटर कमान के साथ थल, जल और नभ तीनों सेनाओं की ताकत रहेगी। इसका एक मुख्यालय होगा तथा एक संचालनात्मक प्रमुख होगा। सूत्रों का कहना है कि थिएटर कमान की संरचना पर चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ (सी.डी.एस.) के नेतृत्व में कार्य किया जा रहा है। देश की रक्षा-सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर थलसेना, वायुसेना और नौसेना की थिएटर कमान युद्धकाल में दुश्मन के लिए चक्रव्यूह का काम करती है। दरअसल, थिएटर कमान युद्ध के दौरान दुश्मन पर अचूक वार के लिए सेनाओं के सभी अंगों के बीच बेहतरीन तालमेल की प्रणाली है। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारत आ रहे राफेल लड़ाकू विमान की क्षमता को भारतीय वायुसेना और अधिक बढ़ाने जा रही है। वायुसेना इस लड़ाकू विमान को फ्रांस की हैमर मिसाइल से लैस करने जा रही है।

राहुल गांधी बोले-चीन और कोरोना पर किया था अलर्ट, पर मोदी सरकार मेरी सुनने को तैयार नहीं

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार किसी भी संकट को लेकर उनकी चेतावनी पर गौर करने को तैयार नहीं है और देश की जनता को खतरे में डाल रही है। गांधी ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि मैंने सरकार को कोरोना -19 और आर्थिक स्थिति को लेकर चेतावनी दी, लेकिन इसे खारिज किया गया। इसके बाद देश में गहरा संकट आया। मैं सरकार को चीन को लेकर सचेत कर रहा हूं लेकिन वे इस चेतावानी को नकार रहे हैं। कांग्रेस नेता बार-बार सरकार को चीनी संकट को लेकर सचेत कर रहे है और लगभग हर दिन सीमा पर चीन के रूप में खड़े खतरे से निपटने के लिए सरकार पर दबाव बना रहे है।

पैरोल पर जेल से बाहर आए कैदियों से पुलिस वालों ने मांगा पैसा, तो माना जाएगा रिश्वतः कोर्ट

नेशनल डेस्क। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि पैरोल पर जेल से बाहर आए कैदियों या उनके परिजनों से यदि कोई पुलिस अधिकारी धन लेता है या धन की मांग करता है तो इसे रिश्वत की श्रेणी में रखा जाएगा और यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दंडनीय होगा। सलेम जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे एक कैदी को गुरुवार को 10 दिन की पैरोल देते हुए जस्टिस एन कीरूबाकरण और जस्टिस वी एम वेलूमणि की खंडपीठ ने तमिलनाडु सरकार को जेल के नियमों में थोड़ी ढील देने का निर्देश दिया ताकि कैदियों के पैरोल आवेदन का निपटारा दो सप्ताह की निश्चित अवधि में किया जा सके। पीठ ने कहा कि समय सीमा का उल्लंघन किए जाने को अदालत की अवमानना माना जाएगा और नियमों का अनुपालन नहीं करने की वजह से होने वाले मुकदमों का खर्च संबंधित अधिकारी को वहन करना होगा। कैदी को अपनी पत्नी के इलाज के खर्च की व्यवस्था करनी थी इसलिए उसने पैरोल की याचना की थी। न्यायालय ने कहा कि अदालत के संज्ञान में आया है कि कैदी के साथ जाने वाले पुलिसकर्मी इसके लिए धन ले रहे हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो यह गैरकानूनी है और इसे घूस की श्रेणी में रखा जाएगा। पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि ऐसी कोई घटना अदालत के सामने लाई जाती है तो उस पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बीजेपी ने संविधान को सर्कस बना दियाः सुरजेवाला

जयपुर। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आग्रह के बावजदू राज्यपाल द्वारा विधानसभा का सत्र नहीं बुलाए जाने के मामले में तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान को सर्कस बना दिया है। सुरजेवाला ने शुक्रवार को ट्वीट किया, जब कांग्रेस सरकार के पास बहुमत है, जब कांग्रेस सरकार सदन बुलाना चाहती है, जब संविधान में ये अधिकार सरकार का है, तो फिर भाजपाई और उनके अनुयायी सदन से पीठ दिखा कर भाग क्यों रहे हैं? उन्होंने आगे लिखा ,दिल्ली की सत्ता पे आसीन मदमस्त हुक्मरानों को विधायिका में बहुमत से डर क्यों लगता है? सुरजेवाला ने लिखा,च्भाजपा ने संविधान को सर्कस बना दिया है, प्रजातंत्र को द्रौपदी व जनमत को बंधक। सुरजेवाला ने एक और ट्वीट में लिखा, भूलें मत,द्रौपदी का चीरहरण करने वाले कौरवों का जो हाल हुआ था, वही हाल कृष्ण रूपी राजस्थान की जनता भाजपाई साजिश का करेगी। अब होगा न्याय! का करेगी। अब होगा न्याय! का करेगी। अब होगा न्याय! राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने इससे पहले शुक्रवार को कहा था कि सरकार के आग्रह के बावजूद राज्यपाल विधानसभा का सत्र नहीं बुला रहे हैं। गहलोत ने कहा कि ऊपर से दबाव के कारण राज्यपाल इस बारे में निर्देश नहीं दे रहे हैं।

27 जुलाई तक संपूर्ण लॉकडाउन, बांदीपोरा छोड़ सभी जिले बंद

श्रीनगर । कश्मीर घाटी में पिछले एक पखवाडे से कोरोनो वायरस (कोविड-19) के बढ़ते संक्रमण और मृतकों की संख्या के मद्देनजर प्रशासन ने कड़े प्रतिबंध लागू करते हुए अगले पांच दिनों यानी 27 जुलाई तक लॉकडाउन कर दिया है। प्रशासन के अनुसार बांदीपुरा को छोड़कर रेड जोन में शामिल सभी जिलों में लॉकडाउन लागू रहेगा। इस बीच ईद-उल-अजह त्योहार के मद्देनजर जानवरों और अन्य वस्तुओं की खरीदारी के लिए 28 जुलाई से तीन दिनों के लिए घाटी में फिर से बाजार खुले रहेंगे। प्रदेश में ईद-उल-अजहा एक अगस्त को मनाया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कश्मीर में उन इलाकों को जिन्हें रेड जोन में रखा गया है वहां बुधवार शाम से 27 जुलाई तक पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की है। कश्मीर घाटी, विशेष रूप से श्रीनगर में लोगों, वाहनों और अन्य सभी गतिविधियों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं, ताकि बुरी तरह से प्रभावित इलाकों में कोरोना के संख्या को थामा जा सके। नए मामलों और मृतकों की बढ़ती संख्या को थामा जा सके। उन्होंने कहा हालांकि आवश्यक और मेडिकल आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध में छूट दी गयी है और उचित सत्यापन के बाद इससे संबंधित लोगों को जाने की अनुमति दी जाएगी। श्रीनगर के लाल चौक सहित सभी सड़कों और बाजार को सील कर दिया गया है ।

राजस्थान के सीएम गहलोत ने दी राजभवन के घेराव की धमकी, बोले- जनता सब देख रही है

नेशनल डेस्क। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि सरकार के आग्रह के बावजूद 'ऊपर से दबाव के कारण राज्यपाल विधानसभा का सत्र नहीं बुला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनके पास बहुमत है और विधानसभा में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने अपने समर्थक विधायकों के साथ राजभवन की ओर रवाना होने से पहले संवाददाताओं के समक्ष यह बात कही। गहलोत ने कहा कि हमारा मानना है कि ऊपर से दबाव के कारण वह (राज्यपाल) अभी विधानसभा सत्र बुलाने के लिए निर्देश नहीं दे रहे हैं। इस बात का हमें बहुत दुख है। जबकि हम सत्र बुलाना जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कैबिनेट के फैसले के बाद हमने माननीय राज्यपाल महोदय को पत्र लिखकर आग्रह किया कि हम चाहते हैं कि विधानसभा का सत्र बुलाएं और वहां राजनीतिक हालात, कोरोना व लॉकडाउन के बाद के आर्थिक हालात पर चर्चा हो। हमें उम्मीद थी कि वह रात को ही विधानसभा सत्र बुलाने का आदेश जारी कर देंगे। रात भर इंतजार किया लेकिन अभी तक उनका कोई जवाब नहीं आया। सीएम ने कहा कि हम विधानसभा सत्र बुलाने को तैयार हैं... अभी राज्यपाल से टेलीफोन पर बातचीत हुई मैंने फिर आग्रह किया कि आपका संवैधानिक पद है जिसकी बहुत गरिमा होती है उसके आधार पर अविलंब फैसला करें।...विधानसभा सत्र हम सोमवार से शुरू करना चाहते हैं जहां 'दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। पूरा देश व प्रदेश देखेगा। गहलोत ने कहा कि जब मैं बार-बार कह रहा हूं कि हमारे पास स्पष्ट बहुमत है, हमें कोई दिक्कत नहीं है, चिंता हमें होनी चाहिए सरकार हम चला रहे हैं इसके बावजूद भी परेशान वे हो रहे हैं। असंतुष्ट विधायकों के हरियाणा में रुके होने का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि यह पूरा खेल भाजपा, उसके नेताओं का षडयंत्र है। जैसा उन्होंने कनार्टक, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों में किया ... राजस्थान में भी करना चाहते हैं।... राजस्थान में पूरे प्रदेश की जनता, पूरे विधायक हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहूंगा महामहिम राज्यपाल से कि हम सब लोग आ रहे हैं एक साथ राजभवन में। उनसे सामूहिक आग्रह करेंगे कि आप किसी दबाव में नहीं आएं। आपका संवैधानिक पद है। शपथ ली हुई है।

अंतरात्मा के आधार पर, शपथ की जो भावना है उसके आधार पर फैसला करें। वरना हो सकता है, पूरे प्रदेश की जनता अगर राजभवन को घेरने के लिए आ गयी तो हमारी जिम्मेदारी नहीं होगी।

कोरोना संकट में बच्चों को भूख से तड़पता देख जिंदा रिक्शाचालक हो गया मुर्दा

नई दिल्ली। बिहार में कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बिहार कोरोना संक्रमण के प्रसार की तेज रफ्तार के बीच 1625 नये पॉजिटिव मिलने से राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 31691 हो गई वहीं महामारी के शिकार चार लोगों की मौत हो गई। इसी बीच भावुक कर देने वाली खबर देखने को मिली जहां परिवार की भूख मिटाने के लिए एक जिंदा रिक्शाचालक को कफन ओढ़ बना मुर्दा बनना पड़ा। दरअसल लॉक डाउन में रिक्शे की सवारी नहीं मिलने के कारण घर में अनाज का एक दाना तक नहीं था। बच्चों को भूख से बिखलते देख मजबूरी में रिक्शाचालक को यह तरकीब अपनानी पड़ी। उसने शरीर पर कफन ओढ़ कर माला रखी और अगरबत्ती जलाई। फिर डिस टैंक रोड के किनारे लेट गया। जो भी राहगीर आते- जाते थे, उस पर रूप में पैसे रख देते थे। इस तरह उसे कुछ पैसे मिल गए। उसने बताया कि पहले लॉक डाउन में कुछ मदद मिल जाती थी लेकिन अब तो कोई मदद भी नहीं मिल रही। लिहाजा मजबूरी में जिंदा रहते हुए भी मुर्दा बनना पड़ रहा है। आपको बतां दे कि 22 जुलाई रात 12 बजे तक राज्य में कोरोना संक्रमण के 717 नए मामले सामने आए हैं। इनमें सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद पटना जिले में फिर सबसे अधिक 190 पॉजिटिव मिलने से यहां अबतक संक्मण की चपेट में आए लोगों की संख्या बढ़कर 4786 हो गई है। इसके बाद नवादा में 85, भागलपुर में 63, रोहतास में 41, गया में 33, जहानाबाद में 26, पूर्वी चंपारण में 25, मधेपुरा में 24, मुजफ्फरपुर और नालंदा में 23-23 तथा जमुई और पश्चिम चंपारण में 22-22 लोग पॉजिटिव हुए हैं। इसी तरह बेगूसराय में 19 भोजपुर और दरभंगा में दो-दो तथा औरंगाबाद, किशनगंज, मुंगेर, शिवहर और वैशाली में एक-एक व्यक्ति महामारी का शिकार हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

गणपति उत्सव पर ग्रहण, बप्पा को घर लाने से पहले इन नियमों का करना होगा पालन

नेशनल डेस्क। कोविड-19 के मद्देनजर बृहन्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने कहा कि गणपति उत्सव के दौरान घरों में गणपति की स्थापना और उनके विसर्जन कार्यक्रम में केवल पांच लोग ही शामिल हो सकते हैं। कोविड-19 के प्रसार पर नियंत्रण में जुटी बीएमसी ने त्योहार से पूर्व लोगों से यह विशेष आग्रह किया। मुम्बई में कोविड-19 के एक लाख से अधिक मामले हैं और करीब 6000 लोगों की इससे जान गई है। इस साल यह उत्सव 22 अगस्त से शुरू होगा। दस दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान पंडालों के अलावा हजारों लोग अपने घरों में भी अलग-अलग दिन गणपति की स्थापना करते हैं। यह महाराष्ट्र का सबसे लोकप्रिय धार्मिक त्योहार है। नगर निकाय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में लोगों से अपील करते हुए कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ महामारी अधिनियम 1897, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 और भादंवि की संबंधित धाराओं के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीएमसी ने लोगों से उत्सव के दौरान मास्क या शिल्ड पहनने, सामाजिक दूरी के नियम पर अमल सहित सभी सुरक्षात्मक नियमों का पालन करने को भी कहा। साथ ही लोगों से बड़े जुलूसों में शामिल ना होने की अपील भी की है।

गांव में पहली बार बिजली देख झूम उठे लोग, खुशी में मनाई दिवाली

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक आदिवासी गांव नवी तलाई के निवासी खुशी से झूम उठे जब दो दिन पहले उनके घरों में पहली बार बिजली आई। इससे पहले वे अमरावती जिले में मेलघाट बाघ परियोजना के मुख्य क्षेत्र में रहते थे और 2018 में उन्हें स्थानांतरित कर नवी तलाई में बसाया गया था। हालांकि तलहरा तालुका अंतर्गत गांव में रहने वाले 540 लोग पुर्नवास के समय से ही बिजली से वंचित थे। निवासियों को अपने मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए भी पड़ोसी गांव के लोगों पर निर्भर रहना पड़ता था। उनके घरों का अंधकार 22 जुलाई को समाप्त हुआ जब नवी तलाई में पहली बार बिजली पहुंची। महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) के एक अधिकारी ने कहा कि गांव तक बिजली पहुंचाना उसका दायित्व था। अधिकारी ने कहा कि एमएसईडीसीएल मिशन मोड में काम करती हैज अब गांव में सभी घरों तक बिजली पहुंच चुकी है। यह एमएसईडीसीएल का दायित्व है। नवी तलाई गांव के निवासियों के लिए यह अवसर समय से पहले आई दिवाली की तरह था। उन्होंने इसका स्वागत दीये जला कर और बच्चों ने केक काटकर किया। गांव में बिजली पहुंचाने के लिए जमीनी कार्य सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल कोल्हे और विधान परिषद सदस्य अमोल मितकारी ने किया। मितकारी द्वारा गांव को गोद लिया गया है और उन्होंने कहा कि नवी तलाई अब राज्य में विकास के एक उदाहरण के तौर पर उभरेगा।

दिल्लीः कोरोना काल में भी इंसानियत शर्मसार, नाबालिग मरीज से दुष्कर्म की कोशिश

नेशनल डेस्क। दक्षिण दिल्ली के कोरोना केयर सेंटर में एक 14 साल की लड़की पर यौन हमले का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार 14 साल की लड़की को कोरोना था जिसके चलते परिजनों ने उसको कोविड केयर सेंटर में भर्ती कराया था। इसी दौरान एक कोरोना पॉजिटिव शख्स ने लड़की पर यौन हमला कर दिया। इस वारदात के बाद दक्षिण दिल्ली के कोविड केयर सेंटर में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि एक आरोपी ने लड़की से यौन हमला किया जबकि दूसरे ने उसकी इसमें मदद की। पुलिस ने इस पूरे मामले पर कहा कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया, जहां उनको न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि पूरा देश इस समय कोरोना जैसी महामारी से लड़ रहा है। दिल्ली में भी कोरोना से बुरे हाल हैं, हालांकि दिल्ली सरकार केंद्र की मदद से कोरोना पर धीरे-धीरे काबू पर रहा है। दिल्ली में कोरोना मरीजों की संख्या एक लाख को पार कर गई है जबकि तीन हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

भारत-नेपाल सीमा पर फिर विवाद, भारतीय अधिकारियों को देख नेपाली नागरिकों ने दिखाए तेवर

नई दिल्ली। नेपाल सीमा पर विवादित भूमि पर नेपाल की ओर से किए गए अतिक्रमण स्थल के समीप नेपाल के अधिकारियों के साथ वार्ता के लिए भारतीय अधिकारियों के पहुंचते ही वहां हंगामा खड़ा हो गया। वहां इकट्ठा हुए नेपाल के नागरिकों की भीड़ ने अधिकारियों को देखते ही उग्र तेवर दिखाने शुरू कर दिए। विवादित भूमि नेपाल का हिस्सा होने का दावा करते हुए नेपाली नागरिकों ने भारत के खिलाफ कड़ा गुस्सा भी जाहिर किया। उनका कहना था कि जिस भूमि पर तारबाड़ के लिए पिलर गाड़े गए हैं वह भूमि विवादित नहीं बल्कि नेपाल की है। भारत की ओर से इस भूमि को विवादित बताकर नेपाल की भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। मौके पर भारत की तरफ से अधिकारियों और कुछ मीडिया कर्मियों के अलावा कोई नहीं था, लेकिन अधिकारियों के विवादित स्थल के समीप पहुंचते ही नेपाल की दर्जनों लोग वहां एकत्र होकर भारत का विरोध करने लगे। उनका कहना था कि गाड़े गए पिलरों को किसी भी कीमत पर नहीं हटने दिया जाएगा। बता दें कि उत्तराखंड के टनकपुर से लगे नेपाल के सीमांत ब्रह्मदेव कस्बे में विवादित नो मैंस लैंड में नेपाली नागरिकों की ओर से एकाएक पौधरोपण के बाद बुधवार को सीमेंट के पिलर गाड़कर तारबाड़ लगाना शुरू किया।

चीनी राष्ट्रपति की आलोचना करने वाला सरकारी कंपनी का पूर्व अध्यक्ष भ्रष्टाचार के आरोपों में पार्टी से

बीजिंग।

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सार्वजनिक तौर पर आलोचना करने वाले एक सरकारी रियल एस्टेट कंपनी के पूर्व अध्यक्ष को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है और उन पर भ्रष्टाचार के आरोपों में मुकदमा चलाया जाएगा। पार्टी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। प्रेस पर नियंत्रण (सेंसरशिप) और अन्य संवेदनशील विषयों के बारे में अपनी बेबाक राय रखने वाले रेन झिकियांग मार्च में एक लेख ऑनलाइन प्रकाशित करने के बाद से ही सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे। इस लेख में उन्होंने शी पर वुहान में दिसंबर में शुरू होने वाले प्रकोप को नहीं संभाल पाने का आरोप लगाया था। बीजिंग में शीचेंग जिले के अनुशासन निरीक्षण आयोग ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि 69 वर्षीय रेन पर भ्रष्टाचार, गबन, रिश्वत लेने और सरकार के स्वामित्व वाली एक कंपनी में अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप है। एजेंसी ने कहा कि हुयाआन समूह के पूर्व अध्यक्ष और पार्टी के उप सचिव को सत्तारूढ़ पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है और उनके मामले को अभियोजन पक्ष को सौंप दिया गया। उसने अपराध के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। चीन में 2012 में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता बने शी ने आलोचनाओं को दबाने, सेंसरशिप को सख्त करने और गैर आधिकारिक संगठनों पर नकेल कसने का काम किया है। दर्जनों पत्रकार, श्रम और मानवाधिकार कार्यकर्ता और अन्य लोग कैद किए गए हैं। पार्टी की 2012 में बागडोर संभालने के बाद से शी किसी भी तरह की आलोचना के प्रति असहिष्णु रहे हैं और उन्होंने मीडिया एवं नागरिक समाज की आजादी पर प्रहार किया, सैकड़ों पत्रकारों, वकीलों और गैर सरकारी कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया। रेन कुछ वर्षों पहले तब मुश्किल में पड़ गए थे जब सरकारी मीडिया में आयी खबर में उन पर पार्टी के ''राजनीतिक अनुशासन'' का उल्लंघन करने का आरोप लगाया

राष्ट्रपति पद के लिये खुद को बाइडेन से बेहतर बताने की ट्रंप ने प्रयास तेज किये

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के प्रचार अभियान में 77 वर्षीय जो बाइडेन को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करने की कोशिश की गई है, जो अपनी कुछ कुशाग्रता खो चुके हैं, लेकिन उनका यह दांव नवंबर में होने वाले वाले चुनाव के लिये पूर्व उपराष्ट्रपति की उम्मीदवारी को डिगा नहीं पाया है। यही कारण है कि 74 वर्षीय ट्रंप अपने संभावित डेमोक्रेट उम्मीदवार बाइडेन पर हमले तेज करने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने बुधवार रात एक टेलीविजन इंटरव्यू में पांच शब्दों का बार-बार जिक्र करे हुए अपनी दिमागी तंदुरूस्ती प्रदर्शित करने की कोशिश की। राष्ट्रपति ट्रंप ने फॉक्स न्यूज से कहा, ''पहला सवाल बहुत आसान है। अंतिम सवाल कहीं अधिक कठिन है। याददाश्त पर आधारित सवाल की तरह। जैसे कि ‘व्यक्ति, महिला, पुरूष, कैमरा, टीवी। वे कहते हैं कि, ‘क्या आप दोहरा सकते हैं? इसलिये मैं कहता हूं, ‘हां। यह है : व्यक्ति, महिला, पुरूष, कैमरा, टीवी'' इसके बाद वह इस बात को याद करते हैं कि ज्ञान परीक्षा के अंत में चिकित्सक ने उनसे इसे फिर से दोहराने को कहा । ट्रंप ने कहा, ''और बोलें= ‘व्यक्ति, महिला, पुरूष, कैमरा, टीवी। 'यदि आप इसे व्यवस्थित रूप से कहेंगे तो आपको अतिरिक्त अंक मिलेगा। दरअसल, यह इतना आसान भी नहीं है लेकिन मेरे लिये यह आसान है' ट्रंप ने दावा किया कि उन्होने चिकित्सकों को चकित कर दिया क्योंकि ‘मेरे पास अच्छी याददाश्त है क्योंकि मैं यहां बौद्धिक रूप से सचेत हूं।' पेन्सिलवानिया विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित व्हार्टन स्कूल में पढ़ने करने का जिक्र करते हुए ट्रंप यह घोषणा करने को लेकर जानते हैं कि ‘वह एक बहुत ही प्रतिभाशाली हैं। ' उन्होंने करीब एक महीने पहले अपने सहयोगियों को यह कहना शुरू किया था कि उन्होंने 2018 में एक शारीरिक जांच के तहत अपनी बौद्धिक चेतना की जांच कराई।

कोरोना का खौफ, सूप में निकले चमगादड़ को देख अस्पताल भागा पूरा परिवार

इंटरनेशनल डेस्क ।

चीन से निकले कोरोना वायरस नाम के आंतक ने पूरी दुनिया में तबाही मचा दी है। इस महामारी की सबसे बड़ी वजह चमगादड़ को माना जाता है, ऐसे में लोग इसके नाम से ही खौफ खाने लगे हैं। अब चीन के वुहान में चमगादड़ से जुड़ी एक ऐसी घटना घटी जिसके बाद पूरा परिवार कोरोना का टेस्ट करवाने अस्पताल भाग गया। खबरों के मुताबित चीन के वुहान में रहने वाले एक परिवार ने एक रेस्टोरेंट से सूप ऑर्डर किया। घर के सदस्य चेन ने बताया कि उन्होंने सूप की पैकिंग खोली तो उसमें कुछ काला काला दिखाई दिया। पहले तो उन्हे लगा कि यह कोई मसाला है लेकिन जब उसे ध्यान से देखा गया तो वह मरा हुआ चमगादड़ था, जिसे देख वह हैरान रह गए। चेन ने बताया कि रेस्टोरेंट ने अपनी गलती मानने से इंकार कर दिया। चेन का परिवार इस घटना से इतना डर गया कि उन सब ने अपना कोरोना वायरस का टेसट करवाया। हालांकि सबकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। वहीं सूप में चमगादड़ कैसे आया उसे लेकर जांच जारी है।

ट्रंप ने जैकसनविले में तय रिपब्लिकन सम्मेलन का हिस्सा रद्द किया

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि वह कोविड-19 के गहराते संकट के मद्देनजर अगले माह फ्लोरिडा में निर्धारित रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन के जैकसनविले हिस्से को रद्द कर रहे हैं। फिर से राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होने के उनके प्रयासों के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है। यह कदम ट्रंप के लिए अचानक हुई एक असाधारण घटना है। नॉर्थ कैरोलीना के गवर्नर ने शार्लोट में विशाल सभा रखने को लेकर जन स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त की थी जिसके बाद इस सम्मेलन का आयोजन जैकसनविले में निर्धारित किया गया था। रिपब्लिकन पार्टी सदस्यों ने शार्लोट में लंबे समय से इस सम्मेलन की योजना बनाई थी। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस प्रेस वार्ता में संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने फ्लोरिडा में कोरोना वायरस के मामले बढ़ने के कारण यह फैसला लिया। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम का समय सही नहीं है, फ्लोरिडा में जिस तरह से हाल में (कोविड-19 के) मामले सामने आए हैं वहां एक बड़ा सम्मेलन रखने का यह सही वक्त नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने देश के लोगों को सुरक्षित रखने के लिए यह फैसला किया है। उन्होंने व्हाइट हाउस में अपनी राजनीतिक टीम के साथ बैठक के बाद कहा, ÷मुझे अमेरिकी लोगों को सुरक्षित रखना है, मैंने हमेशा से यही किया है। मैं हमेशा से यही करुंगा और यही करता रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी टीम ने उन्हें बताया था कि वे, इस सम्मेलन को वह बहुत आसानी से सफल बना सकते हैं और इसके लिए उनमें बहुत उत्साह'' था लेकिन उन्होंने लोगों की सुरक्षा का विचार करते हुए यह फैसला किया। ट्रंप ने कहा, मैंने कहा कि हमारे देश में लोगों को सुरक्षित रखने से महत्त्वपूर्ण कुछ नहीं है भले ही वह चीन के वायरस से बचाना हो या कट्टर वामपंथी भीड़ से जो आपने पोर्टलैंड में देखी ।

संक्षिप्त समाचार

चीनी सरकार से निपटने के लिए ‘लोकतांत्रिक देशों का नया गठबंधन' बने : पोम्पिओ

वाशिंगटन। चीन पर उसकी विस्तारवादी नीतियों और कोविड-19 महामारी पर कथित रूप से पर्दा डालने के लिए निशाना साधते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने अधिनायकवादी चीनी सरकार द्वारा पैदा की जा रही चुनौतियों से निपटने के लिए ‘लोकतांत्रिक देशों का एक नया गठबंधन' बनाने पर जोर दिया। पोम्पिओ ने सभी देशों से चीन के साथ भागीदारी में परस्पर आदान-प्रदान, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने निक्सन लाइब्रेरी में यह भाषण पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के चीन की यात्रा करने वाले अमेरिका का पहला राष्ट्रपति बनने के करीब 50 साल बाद दिया। पोम्पिओ ने कहा कि आज चीन अपने देश में तेजी से तानाशाह और अपने शत्रुओं के प्रति अधिक आक्रामक बन रहा है। उन्होंने कहा, ‘पिछली गलतियों को न दोहराएं। चीन की चुनौतियों से यूरोप, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और खासतौर से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लोकतंत्रों के एकजुट होने की मांग पैदा हो गई है। यह रोकथाम के लिए नहीं है। यह एक जटिल नयी चुनौती है जिसका हमने पहले कभी सामना नहीं किया।' उन्होंने कहा हम इस चुनौती का अकेले सामना नहीं कर सकते। संयुक्त राष्ट्र, नाटो, जी7, जी20, हमारी संयुक्त आर्थिक, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति इस चुनौती से निपटने के लिए पर्याप्त है। शायद यह एक जैसी विचारधारा वाले देशों का नया समूह... लोकतंत्रों का नया गठबंधन बनाने का समय है।''विदेश मंत्री ने आरोप लगाया कि इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका ने ह्यूस्टन में चीन के वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया क्योंकि यह जासूसी और बौद्धिक संपदा की चोरी का केंद्र था।

कोविड-19: पाकिस्तान में संक्रमण के 1,209 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,209 नए मामले सामने आए। इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 2,70,400 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटों में कोविड-19 से 54 मरीजों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय ने कहा कि अब तक पाकिस्तान में कोविड-19 की चपेट में आकर 5,763 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। संक्रमण के कुल मामलों में से सिंध में 1,15,883, पंजाब में 91,423, खैबर पख्तूनख्वा में 32,898, इस्लामाबाद में 14,766, बलूचिस्तान से 11,523, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 1,989 और गिलगित बल्तिस्तान में 1,918 मामले सामने आ चुके हैं। संक्रमण के उपचार के बाद स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अब 2,19,783 हो गई है। 1316 मरीजों की हालत अभी गंभीर है। मंत्रालय ने बताया कि महामारी के प्रकोप के बाद से अब तक 18,21,296 जांच की जा चुकी हैं। इनमें पिछले 24 घंटों में की गई 22006 जांच शामिल है।

चीन में अब भी सामने आ रहे हैं कोरोना वायरस के मामले

बीजिंग। चीन के पूर्वोत्तर प्रांत में कोरोना वायरय के दो नए मामले सामने आए हैं। हालांकि देश के अधिकतर हिस्सों में बहुत हद तक वायरस नियंत्रण में आ चुका है। लियाओनिंग प्रांत के अधिकारियों ने संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सिनेमाघर, नाइट क्लब और पर्यटकों को आकर्षित करने वाले ‘इंडोर' स्थलों को फिलहाल बंद कर दिया है। चीन के लियोओनिंग में ये मामले सामने आने से पहले इस महीने की शुरुआत में उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र शिंजियांग में मामले सामने आए थे। क्षेत्रीय राजधानी उरुमकी में कई लोगों के संक्रमित पाए जाने के बाद अधिकारियों ने यहां यात्रा प्रतिबंधित लगा दिया और व्यापक स्तर पर जांच के आदेश दिए । चीन में अन्य स्थानों पर व्यापक तौर पर वायरस पर नियंत्रण पा लिया गया है। वहीं बीजिंग और शंघाई जैसे बड़े शहर आर्थिक और सामाजिक गतिविधियां के लिए अब खुल रहे हैं।

मां-बाप की गलती के कारण बच्चे को लगानी पड़ी 40 फीट ऊपर से छलांग, वीडियो में देखें फिर क्या हुआ

लंदन। सोशल मीडिया पर इनदिनों एक दिल दहला देने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें बिल्डिंग में लगने के बाद बच्ची ने 40 फीट ऊपर से छलांग लगा दी। यह मामला फ्रांस का बताया जा रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अपार्टमेंट में से आग निकल रही है और नीचे लोग खड़े हुए हैं। दरअसल बच्चे के माता-पिता ने बच्चे को घर के अंदर बंद कर दिया था जिसके बाद उसे कथित तौर पर जलते अपार्टमेंट से बचने के लिए 40 फीट नीचे कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा। बच्चे कोई चोट नहीं आई, लेकिन वे धुएं की चपेट में आ गया। उन्हें इमारत के अन्य निवासियों और कुछ बचाव दल के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। भाईयों को पकडने में कुछ बचाव दल के लोगों की हड्डियों में फ्रेक्चर आया है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

ट्रंप ने रुख बदलते हुए कहा कि कुछ स्कूलों को फिर से खुलने में समय लग सकता है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले के रुख में नरमी लाते हुए माना है कि इस बार कुछ स्कूलों को फिर से खोलने में देरी हो सकती है क्योंकि कोरोना वायरस महामारी का प्रकोप बढ़ रहा है। इससे पहले ट्रंप ने अमेरिका के स्कूलों को पूरी तरह फिर से खोलने की वकालत की थी। पिछले कुछ सप्ताहों में ट्रंप ने कहा है कि स्कूल खोलना सुरक्षित है और डेमोक्रेट राजनीतिक कारणों से इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन बृहस्पतिवार को व्हाइट हाउस के संवाददाता सम्मेलन में ट्रंप ने कहा कि कोरोना वायरस से अति प्रभावित कुछ जिलों में स्कूलों को फिर से खोलने में कुछ सप्ताह की देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस बारे में गवर्नर फैसला लेंगे। ट्रंप ने अपने रुख में बदलाव किया है लेकिन दोहराया कि हर स्कूल को खुलने की तैयारी सक्रियता के साथ करनी चाहिए । देश के कुछ बड़े जिलों ने स्कूलों को पूरी तरह से खोलने के विचार को पहले ही खारिज कर दिया था। लॉस एंजिलिस और सैन डियेगो जिलों में इस पतझड़ में ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने की योजना है, वहीं न्यूयॉर्क शहर के स्कूलों ने ऑनलाइन और वैयक्तिक दोनों तरह से अध्यापन की योजना बनाई है।

चीन ने अमेरिका से चेंगदू स्थित उसका दूतावास बंद करने को कहा

बीजिंग।

ह्यूस्टन में चीनी दूतावास को बंद करने के अमेरिका के फैसले पर पलटवार करते हुए चीन ने शुक्रवार को वाशिंगटन से चेंगदू स्थित उसका दूतावास बंद करने को कहा। चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि चीन ने यहां स्थित अमेरिकी दूतावास को अपने फैसले की सूचना दे दी है कि वह चेंगदू में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास की स्थापना एवं संचालन के लिए दी गई अपनी सहमति वापस लेता है। इसने कहा कि यह फैसला ह्यूस्टन दूतावास को बंद करने के अमेरिका के एकपक्षीय÷ निर्णय के जवाब में है। साथ ही कहा कि चीन का फैसला अमेरिका की अनुचित कार्रवाइयों के लिए वैध एवं आवश्यक प्रतिक्रिया है। अमेरिका ने ह्यूस्टन में स्थित चीनी दूतावास को बंद करने का बुधवार को आदेश दिया था।

उसने कहा था कि यह कदम, अमेरिकी बौद्धिक संपदा एवं निजी सूचना को संरक्षित रखने के मकसद से उठाया गया। अमेरिकी कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इसे तनाव में अभूतपूर्व वृ करार दिया और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी। चीन ने बृहस्पतिवार को कहा कि

ह्यूस्टन में उसके दूतावास को बंद करने के अमेरिकी सरकार के आदेश के पीछे, दुर्भावनापूर्ण मंशा थी और कहा कि उसके अधिकारियों ने कभी भी सामान्य कूटनीतिक नियमों से परे काम नहीं किया।

वांग ने कहा कि दूतावास को बंद करने का फैसला, अंतरराष्ट्रीय कानून एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संचालित करने वाले मूल नियमों का उल्लंघन है तथा चीन-अमेरिका के रिश्तों को गंभीर रूप से कमजोर करता है। वांग ने कहा, यह चीनी और अमेरिकी लोगों के बीच दोस्ती के पुल को तोड़ना है।

अमेरिकी सांसद की ट्रंप से अपील, भारत की तर्ज पर अफगान सिखों और हिंदू शरणार्थियों को दें दर्जा

वाशिंगटन।

अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने अफगानिस्तान के सिखों एवं हिंदुओं को शरणार्थी का दर्जा देने के लिए भारत की प्रशंसा की और ट्रंप प्रशासन से इस युद्धग्रस्त देश के सताए धार्मिक अल्पसंख्यों के लिए भारत जैसी ही व्यवस्था करने की अपील की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान में ‘बाहरी समर्थकों' के इशारे पर आतंकवादियों द्वारा हाल में हिंदुओं और सिखों के खिलाफ हमले बढ़ गए हैं और भारत इन समुदायों के उन सदस्यों को जरूरी वीजा उपलब्ध करा रहा है जो वहां से आना चाहते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, हमें इन समुदायों के सदस्यों से अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। वे भारत आना चाहते हैं, यहां रहना चाहते हैं और कोविड की मौजूदा स्थिति के बावजूद, हम उनके अनुरोधों को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत आकर बसना चाहते हैं, उनके देश पहुंचने के बाद, उनके अनुरोधों को जांचा जाएगा और मौजूदा नियमों एवं नीतियों के आधार पर उनपर काम किया जाएगा। भारत के इस कदम पर प्रतिक्रिया करते हुए, अमेरिकी सांसद जिम कोस्टा ने एक ट्वीट में कहा, यह आतंकवादियों के हाथों आसन्न बर्बादी से अफगानिस्तान के हिंदुओं एवं सिखों को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कोस्टा ने न्यूयॉर्क टाइम्स से एक खबर का संदर्भ देते हुए कहा, मुझे इस बात की खुशी है कि भारत ने उन्हें शरण दी है लेकिन लंबे वक्त तक उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए और किए जाने की जरूरत है। मैं अधिक स्थायी समाधानों की वकालत करना जारी रखूंगा जो इन परिवारों को सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और उज्वल भविष्य दे। अप्रैल में, सांसद ने विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ को पत्र लिख कर अफगानिस्तान के हिंदुओं एवं सिखों के लिए इसी तरह का शरणार्थी दर्जा मांगा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी खबर में विदेश मंत्रालय का बयान प्रकाशित किया है कि भारत ने अफगानिस्तान में सुरक्षा खतरों का सामना कर रहे अफगान हिंदू एवं सिख समुदाय सदस्यों के भारत लौटने को सुगम बनाने का फैसला किया है। समाचार पत्र के मुताबिक, अफगानिस्तान में हिंदू एवं सिखों की संख्या अगर लाखों में न सही,कभी दसियों हजार थी। उनके कारोबार पूरी तरह स्थापित थे और उन्हें सरकार में ऊंचे ओहदे मिले हुए थे। लेकिन दशकों से चले आ रहे युद्ध एवं प्रताड़ना के कारण लगभग सभी भाग कर भारत, यूरोप या उत्तर अमेरिका चले गए।

कोरोना पर काबू पाने में फेल रहे ट्रंप! अमेरिका में फिर मची भयंकर तबाही

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भले ही कोरोना संक्रमण को लेकर लाख दावे कर रहे हों लेकिन सच यही है कि अमेरिका में स्थिति बेकाबू होती जा रही है। यहां वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे है और देश में अबतक चालीस लाख से अधिक लोग इसकी चपेट में आ चुके है। पिछले 24 घंटे में देश में रिकॉर्ड 76 हजार से अधिक कोरोना वायरस के नए मामले सामने आए हैं। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग के अनुसार देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 4,005,414 हो गयी है तथा ताजा आंकड़ों के अनुसार करीब 143,820 लोगों की इस वायरस से संक्रमित होने के कारण मौत भी हो गयी हैं। अमेरिका में पिछले कई दिनों से हर रोज 65 हजार से अधिक ही मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। 421,857 मामलों के साथ कैलिफोर्निया कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित राज्य बन गया है। इससे पहले सबसे ज्यादा मामले न्यूयॉर्क में सामने आ रहे रहे थे। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि अगस्त में होने वाला रिपब्लिकन पार्टी का कन्वेंशन इस बार नहीं किया जाएगा. अभी उसे टाल दिया गया है। उन्होंने अमेरिका में बएत्र रहे मामलों के पीछे अधिक टेस्टिंग को मुख्य कारण बताया है।

विश्व में कोरोना से 1.54 करोड़ संक्रमित, 6.32 लाख से अधिक मौत

बीजिंग।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और दुनियाभर में इस वायरस से अब तक 1.54 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित हो चुके हैं तथा 632,173 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में आठवें स्थान पर है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 15,445,043 हो गयी है जबकि अब तक इस महामारी के कारण 632,173 लोगों ने जान गंवाई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 40,34,878 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,44,242 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 22,87,475 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 84,082 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के 49,310 नये मामले सामने आये हैं और इसके साथ ही यहां इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 12,87,945 हो गयी है। देश में अब तक कुल 8,17,209 मरीज स्वस्थ हुए हैं जबकि 30,601 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। रूस कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 7,93,720 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 12,873 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में दक्षिण अफ्रीका पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 408,052 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6093 लोगों की मौत हो चुकी है। पेरू में भी लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में छठे नम्बर पर है। यहां संक्रमितों की संख्या 3,71,096 हो गई तथा 17,654 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मेक्सिको में कोरोना से अब तक 3,70,712 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 41,908 लोगों की मौत हुई है। कोविड-19 से संक्रमित होने के मामले चिली अब आठवें नंबर पर पहुंच गया है। यहां इससे अब तक 3,38,759 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 8,838 है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में नौवें नंबर पर है। यहां अब तक इस महामारी से 2,98,731 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 45,639 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। वहीं खाड़ी देश ईरान में संक्रमितों की संख्या 2,84,039 हो गई है और 15,074 लोगों की इसके कारण मौत हुई है। वहीं स्पेन में कोरोना संफ्रमतों की संख्या 2,70,166 है जबकि 28,429 लोगों की मौत हो चुकी है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में कोरोना से अब तक 2,69,191 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 5709 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं सऊदी अरब में कोरोना संक्रमण से अब तक 2,60,394 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 2,635 लोगों की मौत हो चुकी है।

यूरोपीय देश इटली में इस जानलेवा विषाणु से 2,45,338 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 35,092 लोगों की मौत हुई है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2,23,315 हो गयी है और 5,563 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2,16,667 हैं और 30,185 लोगों की मौत हो चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटील की स्वागत रैली रद्द

क्रांति समय सुरत

सूरत ,विपक्ष के भारी विरोध के चलते गुजरात प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष सीआर पाटील की सूरत में आज होने वाली कार रैली रद्द कर दी गई है ।

नवसारी के सांसद सीआर पाटील प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद दिल्ली गए थे, जहां पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं से मुलाकात कर सूरत पहुंच गए हैं ।

जहां उनके भव्य स्वागत रैली का आयोजन किया गया थां लेकिन कोरोना महामारी में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से संक्रमण फैलने के डर से सीआर पाटील ने रैली रद्द करने का फैसला किया है।

सीआर पाटील ने बताया कि कोरोना संकट के बीच वह किसी प्रकार का जोखिम नहीं लेना चा. हतें । मेरे स्वागत के लिए कारों की लंबी कतार लगी है, जो मेरे प्रति लोगों की भावना दर्शाती है, इसलिए मुझे शक्ति प्रदर्शन करने की जरूरत नहीं है।

सीआर पाटील ने कहा कि शनिवार को नवसारी में होनेवाली कार रैली भी रद्द करने का फैसला किया है। साथ ही कार्यकर्ताओं से मिलने का कार्यक्रम भी रद्द कर दिया गया है। बता दें कि गुजरात प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद सीआर पाटील के भव्य स्वागत के लिए सूरत शहर भाजपा ने 30 किलोमीटर लंबी कार रैली का आयोजन किया थां । शहर के विभिन्न इलाकों में सीआर पाटील का भव्य स्वागत किया जाना थां । लेकिन विपक्ष के विरोध को देखते हुए रैली को रद्द कर दिया गया है।

कांग्रेस ने सूरत में हार्दिक पटेल के स्वागत के लिए रैली की मंजूरी मांगी

क्रांति समय सुरत

सूरत, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अपने होम ग्राउंड सूरत आ रहे सीआर पाटील के स्वागत में कार रैली का आयोजन किया गया है।

भाजपा की ओर से पहले सीआर पाटील की कार रैली का रूट एयरपोर्ट से उनके निर्वाचन क्षेत्र का रखा गया था।

बाद में रूट बदल दिया गयाद्य भाजपा ने 30 किलोमीटर लंबी रैली का ऐसा रूट चुना है, जो पाटीदार बहुल क्षेत्र है।

जिसमें सूरत का वराछा, सरथाणा, कतारगाम इत्यादि शामिल है।

कांग्रेस ने पहले कलेक्टर को ज्ञापन देकर कोरोना काल में भ. ाजपा की रैली की मंजूरी नहीं देने की मांग की थी।

लेकिन भाजपा की रैली को मंजूरी मिलने के बाद कांग्रेस ने भी हार्दिक पटेल की रैली को मंजूरी देने की पुलिस से मांग की है।

हाल ही में गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए गए हार्दिक पटेल आगामी 3 अगस्त को सूरत आ रहे हैं। कांग्रेस ने भी हार्दिक पटेल की कार रैली का रूट पाटीदार बहुल क्षेत्र चुना है।

हार्दिक पटेल के लिए सरथाणा से मानगढ़ चौक सरदार पटेल की प्रतिमा तक रैली और एक अभिवादन कार्यक्रम की मंजूरी मांगी गई है।

कांग्रेस ने पुलिस को आश्वस्त किया है कि पूरे कार्यक्रम के दौरान कोरोना की सभी गाइडलाइन का पालन किया जाएगा।

गुजरात में एक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी कोरोना संक्रमित

क्रांति समय सुरत

सूरत, गुजरात में एक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के कोरोना संक्रमित होने से राज्य का गृह विभाग हरकत में आ गया है। सूरत के पुलिस आयुक्त रह चुके आईपीएस हरेकृष्ण पटेल की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वे अस्पताल में दाखिल होने के बजाए होम कोरन्टाइन हो गए हैं। सूरत शहर में कोरोना के लगातार मामले बढ़ रहे हैं और ज्यादातर इलाके कंटेंटमेंट जोन घोषित किए गए हैं। कंटेंटमेंट जोन के सुपरविजन की जिम्मेदारी आईजी हरेकृष्ण पटेल को सौंपी गई थी। माना जा रहा है कि कंटेंटमेंट जोन में लगातार काम

करने की वजह से हरेकृष्ण पटेल कोरोना संक्रमित हुए।

सूरत के आईजी हरेकृष्ण पटेल ने कोरोना के लक्षण दिखाई देने के बाद अपना टेस्ट करवाया थां जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद हरेकृष्ण पटेल होम कोरन्टाइन हो गए। हरेकृष्ण पटेल से पहले आईपीएस सुशील अग्रवाल बाद में सूरत की महिला डीसीपी विधि चौध ारी की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

गौरतलब है कि गुजरात में कोरोना का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। अहमदाबाद के बाद अब सूरत में कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है। सूरत के ज्यादातर अस्पताल कोरोना संक्रमित मरीजों से अटे पड़े हैं। गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 52563 पर पहुंच गया है और अब तक 2257 मरीजों की मौत हो चुकी है।

युवती से छेड़छाड़ करने पर लोगों ने पुलिसकर्मी को धुना, बाद में पुलिस को सौंपा

क्रांति समय सुरत

सूरत के उगत रोड पर बीती रात मारुति अल्टो में सवार शख्स ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ की।

युवती की चीख पुकार से आसपास के लोग जमा हो गए और कार चालक की जमकर धुनाई की कार तलाशी में बड़ी मात्रा में देशी शराब बरामद होने से शख्स को पुलिस के हवाले कर दिया।

जांच में पता चला कि पकड़ा गया शख्स सूरत शहर पुलिस का जवान हैं।

जानकारी के मुताबिक गुरुवार की रात करीब 10 बजे सूरत के उगत रोड से गुजर रही मारुति अल्टो कार में सवार सुरेश मधुभाई नामक शख्स ने एक युवती के साथ छेड़छाड़ की।

युवती की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने सुरेश की कार रोक ली और उसे बाहर निकाल कर तबियत से उसकी धुनाई कर दी।

इस दौरान उसकी कार की तलाश में बड़ी मात्रा में देशी शराब बरामद हुई।

लोगों की पूछताछ में शख्स ने पुलिस जवान के तौर पर अपनी पहचान दी।

पुलिसकर्मी होने की वजह से स्थानीय लोगों ने तुरंत स्थानीय

पुलिस को घटनास्थल पर बुलाया।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने सुरेश मधुभाई को गिरफ्तार कर लिया।

सुरेश की जेब से गुजरात पुलिस का आई कार्ड मिला

पुलिसकर्मी होने की वजह से पुलिस उसे छोड़ देगी,

इस आशंका को लेकर स्थानीय लोगों ने काफी हंगामा किया।

हांलाकि पुलिस ने जब सुरेश के खिलाफ मामला दर्ज किया,

तब लोग शांत हो गएं ।

नवसारी नपा क्षेत्र में 12 मीटर चौड़े थ्री-लेन रेलवे ओवरब्रिज के लिए मुख्यमंत्री ने मंजूर किए 114.50 करोड़

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने शुक्रवार को दक्षिण गुजरात के नवसारी शहर में थ्री–लेन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के लिए 114.50 करोड़ रूपए के कार्यों को मंजूरी दी है। नवसारी नगरपालिका क्षेत्र में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के रूट पर लेवल क्रासिंग 127 पर निर्मित होने वाले इस थ्री–लेन रेलवे ओवरब्रिज के लिए राज्य और केंद्र सरकार का योगदान 50–50 फीसदी रहेगा। 12 मीटर चौड़े इस थ्री–लेन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण से नवसारी नगर की मौजूदा यातायात समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। रेलवे फाटक बंद होने से लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात मिलेगी। ओवरब्रिज के आकार लेने से नवसारी और विजलपोर नगरपालिका क्षेत्र के लगभग 2 लाख लोगों को यातायात समस्या से छुटकारा मिलेगा। यही नहीं, पैदल यात्रियों के लिए मौजूदा फाटक के नीचे एक अंडरपास भी बनाया जाएगा।

अंकलेश्वर में स्वैच्छिक लोकडाउन दोपहर तक दुकाने रहेगी खुली

अंकलेश्वर, जिले में कोरोना का कहर लगातार जारी है। अंकलेश्वर में कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु व्यापारियों द्वारा स्वैच्छिक लोकडाउन की घोषणा की है। अंकलेश्वर में दोपहर 1 बजे के बाद मार्केट में सभी दुकानें बंद रहेगी।

गुजरात में कोरोना का कहर लगातार जारी है। राज्य के एक के बाद एक शहर व जिले में प्रशासन व व्यापारियों ने स्वैच्छिक लोकडाउन की घोषणा की है। अंकलेश्वर में लगातार कोरोना के बढते संक्रमण को देखते हुए शनिवार व रविवार को स्वैच्छिक लोकडाउन की घोषणा की गई है। अंकलेश्वर में व्यापारी एसोसिएशन द्वारा सुबह 7 से दोपहर 2 बजे तक दुकाने खुली रखने की घोषणा की गई थी।

हालांकि मार्केट में लोगों की खरीदी के भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

शहर के मुख्य सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ने से जाम की स्थिति होने पर व्यापारियों ने दोपहर 1 बजे तक ही अंकलेश्वर में बाजार खुले रखने का निर्णय लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक अंकलेश्वर नगरपालिका की सीमा में शनिवार व रविवार को स्वैच्छिक बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

स्वैच्छिक लोकडाउन के निर्णय के चलते लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ीद्य सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ने से सड़कों पर जाम हो गया। भारी भीड़ को देखते हुए दोपहर 1 बजे तक अंकलेश्वर के बाजार खुले रहेंगे और शनिवार व रविवार को मार्केट संपूर्ण बंद रहेंगे।

सावली के विधायक केतन ईनामदार के बाद उनका परिवार भी कोरोना संक्रमित

क्रांति समय सुरत

वडोदरा, सावली के भाजपा विधायक केतन ईनामदार के कोरोना संक्रमित होने के बाद उनके भतीजे समेत 2 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके अलावा केतन ईनामदार के ड्राइवर भी कोरोना की चपेट में आ गया है। फिलहाल ईनामदार के परिवार के सदस्यों का अस्पताल में उपचार चल रहा हैं। केतन ईनामदार ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए बताया कि वैश्विक महामारी कोरोना की चपेट में मेरे बाद मेरा परिवार भी आ गया है। मेरे मामा की पुत्री का पुत्र और मेरे भाई संदीप का पुत्र नीलकंठ की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। फिलहाल सभी की तबियत में सुधार है।

आप सभी मेरे और मेरे परिवार के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें। साथ ही ईनामदार ने उनके संपर्क में आए लोगों से अनुरोध किया है कि वे होम कोरन्टाइन हो जाएं और जरूरी हो तो टेस्ट भी कराएं।

कोरोना के मौजूदा संकट में सभी को सतर्क रहना जरूरी है। जरूरी हो तभी अपने घरों से बाहर निकलें। बच्चे या बुजूर्ग कोरोना की चपेट में आ गए तो काफी मुश्किल हो सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)